R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक

# रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 175 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार, 04 जून 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

## संक्षिप्त समाचार

## सीबीएसई पोर्टल पर छात्रों की भीड़

**- साइबर हमलों के बीच 28 हजार से ज्यादा आवेदन**




नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के वेरिफिकेशन और री-इवैल्यूएशन पोर्टल पर मंगलवार को भारी ट्रैफिक देखने को मिला। रात 10 बजे तक करीब 14 हजार छात्र एक साथ पोर्टल पर सक्रिय रहे, जबकि 28 हजार से अधिक आवेदन सफलतापूर्वक जमा किए गए। बढ़ती संख्या को देखते हुए सीबीएसई ने पोर्टल में कई तकनीकी सुधार किए हैं। छात्रों की शिकायतों और सुझावों के आधार पर सेशन टाइम लिमिट बढ़ाई गई है, जिससे आवेदन प्रक्रिया के दौरान बार-बार लॉगआउट या टाइम-आउट की समस्या में राहत मिली है। बोर्ड की तकनीकी और साइबर सुरक्षा टीमें चौबीसों घंटे पोर्टल की निगरानी कर रही हैं। सीबीएसई ने बताया कि भारी ट्रैफिक के साथ-साथ पोर्टल पर साइबर हमलों की भी कोशिशें की गईं। डिनायल ऑफ सर्विस (DDoS) हमले के तहत केवल दो मिनट में लगभग 15 लाख हिट्स दर्ज की गईं, जबकि पोर्टल की फाइलों तक अनधिकृत पहुंच बनाने के एक लाख से अधिक प्रयास हुए। हालांकि, साइबर सुरक्षा तंत्र ने सभी हमलों को विफल कर दिया और छात्रों की आवेदन प्रक्रिया बिना किसी बड़े व्यवधान के जारी रही। बोर्ड का कहना है कि उत्तर पुस्तिकाओं के सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन से जुड़ी यह प्रक्रिया हजारों छात्रों के लिए महत्वपूर्ण है। सीबीएसई ने भरोसा दिलाया है कि छात्रों के फीडबैक के आधार पर डिजिटल सेवाओं को और अधिक सुरक्षित, तेज और सुविधाजनक बनाया जाएगा।

## दिल्ली में अवैध निर्माण पर सख्ती, एमसीडी को एलजी के निर्देश



नई दिल्ली। दिल्ली में अवैध निर्माण और नागरिक सुविधाओं को लेकर उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में राजधानी में बेहतर शहरी शासन, नागरिक अवसंरचना और संरचनात्मक सुरक्षा को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। उपराज्यपाल ने अवैध निर्माण और भवनों में अनधिकृत विस्तार पर सख्त कार्रवाई के निर्देश देते हुए एमसीडी को समयबद्ध रणनीति लागू करने को कहा। साथ ही मानसून से पहले नालों की सफाई, गाद हटाने, सड़कों और फुटपाथों की मरम्मत तथा कचरा निपटान व्यवस्था को तेज करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में अनधिकृत कॉलोनियों के निवासियों के लिए पीएम-उदय योजना के शीघ्र क्रियान्वयन और सार्वजनिक पार्कों के पुनरुद्धार के लिए सीएसआर आधारित मॉडल को अंतिम रूप देने पर भी चर्चा हुई। उपराज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समावेशी विकास के विजन के अनुरूप दिल्लीवासियों को सुरक्षित, स्वच्छ और बेहतर जीवन वातावरण उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। इससे पहले उपराज्यपाल ने दिल्ली रिज मैनेजमेंट बोर्ड (डीआरएमबी) के पुनर्गठन को भी मंजूरी दी। पर्यावरण संरक्षण और रिज क्षेत्र की निगरानी को मजबूत बनाने के लिए पुनर्गठित बोर्ड में केंद्र, दिल्ली सरकार और विभिन्न एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों को शामिल किया गया है।

## आतंकी नेटवर्क के खिलाफ कश्मीर में बड़ा अभियान, 8 ठिकानों पर छापेमारी




श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से जुड़े मामलों की जांच के तहत काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) ने बुधवार को घाटी के कई इलाकों में व्यापक तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों के अनुसार, पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी नेटवर्क, स्लीपर सेल और युवाओं की भर्ती व कट्टरपंथी गतिविधियों से जुड़े मामलों की जांच के सिलसिले में छह जिलों के आठ स्थानों पर एक साथ छापेमारी की गई। सीआईके द्वारा दर्ज एक एफआईआर के आधार पर यह कार्रवाई की गई। तलाशी अभियान श्रीनगर के दो, बांदीपोरा के दो तथा अनंतनाग, कुलगाम, कुपवाड़ा और सोपोर में एक-एक स्थान पर चलाया गया। अधिकारियों का कहना है कि हालिया खुफिया सूचनाओं, तकनीकी विश्लेषण और जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर इन स्थानों की पहचान की गई थी। जांच एजेंसियों को संदेह है कि कुछ लोग पाकिस्तान में बैठे आतंकवादी संचालकों के संपर्क में थे और एन्क्रिप्टेड संचार माध्यमों के जरिए संवाद कर रहे थे। इन पर चरमपंथी प्रचार सामग्री फैलाने, युवाओं को कट्टरपंथ की ओर प्रेरित करने और आतंकवादी गतिविधियों को समर्थन देने के आरोप हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सभी छापे कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए चलाए गए। तलाशी वारंट सक्षम न्यायालय से प्राप्त किए गए थे और अभियान के दौरान पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था तथा तकनीकी सहायता भी उपलब्ध कराई गई। काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर, जम्मू-कश्मीर पुलिस की विशेष शाखा है, जो आतंकवाद, स्लीपर सेल, तोड़फोड़ और आतंकी नेटवर्क से जुड़े मामलों की जांच करती है। अधिकारियों का कहना है कि जांच जारी है और प्राप्त सामग्री का विश्लेषण किया जा रहा है।

# मालवीय नगर अग्निकांड: 21 मौतों पर पीएम मोदी ने जताया शोक, मुआवजे का ऐलान



नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक रेस्टोरेंट में लगी भीषण आग ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 21 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मालवीय नगर में आग लगने की घटना बेहद दुखद है। उन्होंने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रशासन प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता उपलब्ध करा रहा है।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुसार, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2-2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। वहीं, घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी हादसे पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि मालवीय नगर में हुई भीषण अग्नि दुर्घटना में लोगों की मौत बेहद दुखद है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी घटना पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि मालवीय नगर में आग लगने से हुआ हादसा मन को व्यथित करने वाला है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से उन्हें इस दुख को सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की। साथ ही घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

बुधवार सुबह मालवीय नगर के एक रेस्टोरेंट में अचानक आग लग गई थी। आग तेजी से फैलने के कारण कई लोग अंदर फंस गए। राहत और बचाव अभियान के दौरान करीब 37 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। दमकल विभाग, पुलिस और प्रशासन की टीमों ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

## डीके शिवकुमार बने कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री



बेंगलुरु। कर्नाटक में सत्ता परिवर्तन के तहत डीके शिवकुमार ने बुधवार को राज्य के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की। शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी रही। मुख्यमंत्री पद संभालने से पहले पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने उनका स्वागत किया। वहीं जी. परमेश्वर ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। डीके शिवकुमार की नई कैबिनेट में 14 मंत्रियों को शामिल किया गया। इनमें के.एच. मुनियप्पा, के.जे. जॉर्ज, एम.बी. पाटिल, रामलिंगा रेड्डी, सतीश जारकीहोली, कृष्ण बायरेगौड़ा, प्रियांक खड़गे, यू.टी. खादर, ईश्वर खांद्रे, यतीन्द्र सिद्धारमैया, बैराथी सुरेश और शरण प्रकाश पाटिल समेत अन्य नेताओं ने मंत्री पद की शपथ ली। मुख्यमंत्री बनने के बाद डीके शिवकुमार ने कहा कि जनता ने उन पर जो भरोसा जताया है, उसे वे पूरी ईमानदारी और मेहनत से निभाएंगे। उन्होंने स्वीकार किया कि आगे कई चुनौतियां हैं, लेकिन उनकी सरकार सुशासन, विकास, बेहतर बुनियादी ढांचे, रोजगार सृजन और निवेश को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान देगी। उन्होंने राज्य के सर्वांगीण विकास को अपनी प्राथमिकता बताया।

## भाजपा का भ्रष्टाचार देश की छवि बिगाड़ रहा - अखिलेश यादव



आगरा । आगरा में हालिया बारिश के बाद कई स्थानों पर सड़कों के धंसने की घटनाओं को लेकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि खराब निर्माण कार्य और भ्रष्टाचार के कारण प्रदेश की छवि देश और दुनिया में खराब हो रही है। सोशल मीडिया पर जारी बयान में उन्होंने कहा कि आगरा जैसे विश्व प्रसिद्ध पर्यटन शहर में विदेशी पर्यटक ऐतिहासिक धरोहरों के साथ-साथ बदहाल सड़कों को देखकर हैरान हो रहे हैं। उनका कहना है कि भ्रष्टाचार के कारण विकास कार्यों की गुणवत्ता प्रभावित हुई है। अखिलेश यादव ने यह भी दावा किया कि पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था, होटल उद्योग, गाइड, टैक्सी संचालक और स्थानीय कारोबार प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि खराब बुनियादी सुविधाओं के कारण निवेशक भी प्रदेश में निवेश करने से हिचक रहे हैं। गौरतलब है कि सोमवार की भारी बारिश के बाद आवास विकास सेक्टर-4 में सड़क धंसने से ईंटों से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली गड्ढे में समा गई थी, जिसके बाद निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं।

## राहुल गांधी ने मालवीय नगर अग्निकांड में जताया दुख

**-कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मदद की अपील**



नई दिल्ली। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक रेस्टोरेंट में लगी भीषण आग में 21 लोगों की मौत और कई लोगों के घायल होने की घटना पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं से राहत और बचाव कार्य में सक्रिय सहयोग करने की अपील की है।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि मालवीय नगर में आग लगने से कई लोगों की मौत का समाचार अत्यंत दुखद है। उन्होंने कहा कि इस हादसे से प्रभावित परिवारों के साथ उनकी गहरी संवेदनाएं हैं। राहुल गांधी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे राहत एवं बचाव कार्यों में हर संभव योगदान दें और जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए आगे आएं। साथ ही उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की।

बुधवार सुबह मालवीय नगर के एक रेस्टोरेंट में अचानक भीषण आग लग गई थी। आग तेजी से फैलने के कारण कई लोग इमारत के अंदर फंस गए। सूचना मिलते ही दिल्ली फायर सर्विस, पुलिस और अन्य आपातकालीन एजेंसियों की टीमें मौके पर पहुंचीं और बड़े पैमाने पर राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया।

दक्षिणी दिल्ली के डीसीपी अनंत मित्तल के अनुसार, बचाव अभियान के दौरान 40 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। कई घायलों का उपचार विभिन्न अस्पतालों में जारी है। दमकल कर्मियों ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया।

इस हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी शोक व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी घटना पर दुख जताते हुए प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है। हादसे के कारणों की जांच जारी है।

## क्रिटिकल मिनरल्स पर चीन का बढ़ता दबदबा सुरक्षा के लिए खतरा: मार्को रुबियो




वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने चेतावनी दी है कि दुनिया भर में क्रिटिकल मिनरल्स (महत्वपूर्ण खनिजों) की सप्लाई चेन पर चीन का बढ़ता दबदबा वैश्विक अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका अब चीन पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए दुनिया के विभिन्न देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी को मजबूत कर रहा है। अमेरिकी संसद की हाउस एप्रोप्रिएशंस सबकमेटी के समक्ष बोलते हुए रुबियो ने कहा कि किसी एक देश के पास महत्वपूर्ण खनिजों और उनकी प्रोसेसिंग क्षमता का अत्यधिक नियंत्रण होना चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक उत्पादन, रक्षा प्रणालियों और आधुनिक तकनीकों के लिए जरूरी संसाधनों के मामले में 90 प्रतिशत तक किसी एक देश पर निर्भर रहना सुरक्षित नहीं माना जा सकता। रुबियो के अनुसार लिथियम, कोबाल्ट, रेयर अर्थ एलिमेंट्स और ग्रेफाइट जैसे खनिज इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी, सेमीकंडक्टर, दूरसंचार उपकरण, नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं और आधुनिक सैन्य प्रणालियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। वर्तमान में इन खनिजों के खनन, प्रसंस्करण और आपूर्ति श्रृंखला में चीन की मजबूत स्थिति बनी हुई है। उन्होंने बताया कि अमेरिका अब वैश्विक स्तर पर वैकल्पिक सप्लाई चेन विकसित करने की दिशा में काम कर रहा है। इसके लिए कई देशों को साथ लेकर क्रिटिकल मिनरल्स से जुड़ी साझेदारियां बढ़ाई जा रही हैं। रुबियो ने कहा कि तीन दर्जन से अधिक देशों ने क्रिटिकल मिनरल्स मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लिया, जो इस दिशा में अंतरराष्ट्रीय सहयोग का संकेत है। अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि संकट की स्थिति में यदि किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता हो, तो वह आर्थिक और रणनीतिक दबाव का माध्यम बन सकती है। इसलिए अमेरिका केवल खनिजों की उपलब्धता ही नहीं, बल्कि संसाधन संपन्न देशों में प्रोसेसिंग क्षमता विकसित करने पर भी ध्यान दे रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी ही चुनौतियां दवाइयों और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी मौजूद हैं, जहां उत्पादन का बड़ा हिस्सा चीन में केंद्रित है। अमेरिका अब अपनी विदेश नीति और आर्थिक रणनीति में सप्लाई चेन को विविधतापूर्ण बनाने को प्राथमिकता दे रहा है।

## सूर्या हत्याकांड का वांटेड सारिक मेवाती गिरफ्तार

गाजियाबाद । खोड़ा क्षेत्र के चर्चित सूर्या हत्याकांड में पुलिस ने 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी सारिक मेवाती को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार सारिक ने पूछताछ में अपना जुर्म कबूल करते हुए बताया कि उसने अपने साथियों असद, फरहान, अतीक और नवाब के साथ मिलकर 28 मई को सूर्य प्रताप चौहान पर चाकू से हमला किया था। गंभीर रूप से घायल सूर्य की अगले दिन अस्पताल में मौत हो गई थी। पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी असद पहले ही पुलिस मुठभेड़ में मारा जा चुका है, जबकि नवाब, फरहान और अतीक को पहले गिरफ्तार किया जा चुका है। सारिक एक कंप्यूटर दुकान में काम करता था और घटना के बाद से फरार चल रहा था। मामले के बाद प्रशासन ने खोड़ा क्षेत्र में बिना वैध पंजीकरण संचालित दो मदरसों को सील कर दिया है तथा संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है।

## वंदे मातरम् विवाद पर सियासत तेज, शुभेंदु अधिकारी और मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड आमने-सामने



कोलकाता। पश्चिम बंगाल में स्कूलों और मदरसों में वंदे मातरम् के गायन को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। राज्य सरकार के एक फैसले के बाद इस मुद्दे पर राजनीतिक और सामाजिक बहस तेज हो गई है। सरकार की ओर से सभी शिक्षण संस्थानों में प्रार्थना सभा के दौरान वंदे मातरम् के गायन को अनिवार्य किए जाने की बात सामने आने के बाद ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने इस पर आपत्ति जताई है।

इस फैसले का समर्थन करते हुए पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय प्रतीकों और राष्ट्रीय गीत का सम्मान प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि देश में रहने वाले सभी लोगों को वंदे मातरम् और जन गण मन का सम्मान करना चाहिए तथा राष्ट्रीय पर्वों की गरिमा बनाए रखनी चाहिए। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक माहौल और गर्म हो गया है।

दूसरी ओर, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने इस फैसले पर चिंता जताते हुए सरकार से इसे वापस लेने या मुस्लिम छात्रों को इससे छूट देने की मांग की है। बोर्ड के प्रवक्ता डॉ. एसक्यूआर इलियास का कहना है कि किसी भी छात्र को उसकी धार्मिक मान्यताओं के विरुद्ध कोई गीत या पाठ गाने के लिए बाध्य करना उसके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन हो सकता है।विवाद के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर का बयान भी चर्चा में है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् का सम्मान सभी करते हैं, लेकिन हर कार्यक्रम में इसके सभी अंतरों का गायन अनिवार्य करना व्यावहारिक नहीं है। उनके अनुसार अधिकांश लोग गीत के शुरुआती हिस्से से ही परिचित हैं और वही व्यापक रूप से गाया जाता है। थरूर के बयान पर भाजपा नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा का आरोप है कि विपक्ष राष्ट्रीय प्रतीकों के मुद्दे पर अनावश्यक विवाद खड़ा कर रहा है। भाजपा नेताओं ने कहा कि राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान का सम्मान राजनीति से ऊपर होना चाहिए। फिलहाल वंदे मातरम् को लेकर शुरू हुआ यह विवाद राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है और आने वाले दिनों में इस पर बहस और तेज होने की संभावना है।

## चारधाम यात्रा पर सीएम धामी सख्त, श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता



देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चारधाम यात्रा के दूसरे चरण की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यात्रा के दौरान सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और श्रद्धालुओं को सुरक्षित व सुगम यात्रा उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने बताया कि चारधाम यात्रा के पहले चरण में रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालु राज्य पहुंचे हैं। भारी भीड़ के कारण कुछ स्थानों पर चुनौतियां सामने आईं, लेकिन प्रशासन, मंदिर समितियों और विभिन्न धार्मिक संगठनों के बेहतर समन्वय से यात्रा सुचारू रूप से संचालित हुई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को मानसून सीजन को देखते हुए यात्रा मार्गों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पेयजल, आवास, दर्शन व्यवस्था, परिवहन और हेली सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। भूस्खलन और आपदा संभावित क्षेत्रों की पहचान कर वहां अतिरिक्त सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सीएम धामी ने निर्देश दिया कि किसी भी धाम या पड़ाव पर निर्धारित क्षमता से अधिक भीड़ होने पर श्रद्धालुओं को होल्डिंग एरिया में रोकने की व्यवस्था की जाए। साथ ही शौचालय, विश्राम स्थल और अन्य मूलभूत सुविधाओं को भी मजबूत किया जाए। यात्रा मार्गों और श्रद्धालुओं की संख्या की प्रतिदिन निगरानी करने के निर्देश भी दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने चारधाम यात्रा को लेकर भ्रामक और नकारात्मक वीडियो फैलाने वालों पर भी सख्ती बरतने को कहा। उनका कहना था कि कुछ लोग राजनीतिक कारणों से प्रदेश की छवि और सनातन आस्था को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं।

# रॉयल पत्रिका

## संपादकीय...

# महंगाई से गरीबों को बचाने पर हो फोकस

देश की अर्थव्यवस्था इस समय एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां विकास दर को बनाए रखने और महंगाई पर नियंत्रण रखने की दोहरी चुनौती सामने है। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव और उसके कारण ऊर्जा तथा अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में संभावित वृद्धि ने चिंता बढ़ा दी है। ऐसे समय में भारतीय रिजर्व बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी समिति (एमपीसी) की बैठक बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। समिति के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि महंगाई के बढ़ते दबाव से गरीब और निम्न आय वर्ग को कैसे बचाया जाए।

महंगाई का प्रभाव समाज के सभी वर्गों पर समान रूप से नहीं पड़ता। मध्यम और उच्च आय वर्ग के लोग बढ़ती कीमतों का कुछ हद तक सामना कर लेते हैं, लेकिन गरीब और दिहाड़ी मजदूरों के लिए यह सीधा जीवन-यापन का संकट बन जाता है। पिछले एक दशक में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जबकि श्रमिकों और असंगठित क्षेत्र के कामगारों की आय उसी अनुपात में नहीं बढ़ पाई। परिणामस्वरूप उनकी वास्तविक क्रय शक्ति कमजोर हुई है और जीवन स्तर पर प्रतिकूल असर पड़ा है। चिंता का विषय यह भी है कि रोजगार और आय से जुड़े सरकारी आंकड़े जमीनी हकीकत को पूरी तरह प्रतिबिंबित नहीं करते। यदि किसी दिहाड़ी मजदूर को सप्ताह में केवल कुछ घंटे काम मिला हो, तब भी उसे नियोजित श्रेणी में गिना जाता है। इससे रोजगार की स्थिति वास्तविकता से बेहतर दिखाई देती है। जबकि सच यह है कि मौसमी परिस्थितियों, आर्थिक सुस्ती और अवसरों की कमी के कारण बड़ी संख्या में श्रमिकों को नियमित काम नहीं मिल पाता। ऐसे में आय वृद्धि के आंकड़े भी भ्रामक साबित हो सकते हैं। महंगाई का सबसे अधिक असर खाद्य पदार्थों की कीमतों में दिखाई देता है। गरीब परिवार अपनी आय का बड़ा हिस्सा भोजन, ईंधन और दैनिक जरूरतों पर खर्च करते हैं। जब खाद्यान्नों की कीमतें तेजी से बढ़ती हैं तो उनके सामने परिवार का बजट संभालना कठिन हो जाता है। दूसरी ओर, जिन वस्तुओं का उपयोग मुख्यतः संपन्न वर्ग करता है, उनकी कीमतों में अपेक्षाकृत कम वृद्धि होती है। इसलिए महंगाई का बोझ गरीबों पर अधिक पड़ता है। आवश्यक है कि नीति-निर्माता केवल औसत आंकड़ों के आधार पर निर्णय न लें, बल्कि समाज के कमजोर वर्गों की वास्तविक स्थिति को केंद्र में रखें। महंगाई नियंत्रण, रोजगार सृजन और गरीबों की आय बढ़ाने की दिशा में समन्वित प्रयास समय की मांग हैं। आर्थिक विकास तभी सार्थक माना जाएगा जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और महंगाई के दुष्प्रभावों से सबसे कमजोर वर्ग सुरक्षित रह सके।

# एआई कभी मौलिक चिंतन का विकल्प नहीं हो सकता- आफरीदी

डिजिटल युग ने मनुष्य को अभूतपूर्व गति, सुविधा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी है। आज एक साधारण व्यक्ति भी अपने विचारों को कुछ ही क्षणों में लाखों लोगों तक पहुँचा सकता है। मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने लेखन को लोकतांत्रिक बना दिया है। अब लेखन केवल बड़े साहित्यकारों, पत्रकारों या प्रकाशकों तक सीमित नहीं रहा। हर व्यक्ति लेखक है, हर स्क्रीन एक मंच है और हर उँगली एक संभावित कलम। परंतु इसी क्रांति के बीच एक गंभीर प्रश्न भी जन्म ले रहा है—क्या इस तीव्र डिजिटल प्रवाह में मौलिक लेखन सुरक्षित रह पाएगा? क्या विचारों की स्वतंत्रता के इस महासागर में मौलिकता का द्वीप धीरे-धीरे डूबता जा रहा है?

मौलिक लेखन केवल शब्दों का संयोजन नहीं होता, वह मनुष्य की संवेदना, अनुभव, चिंतन और आत्मसंघर्ष का परिणाम होता है। किसी भी रचना की आत्मा उसकी नवीनता और सत्यनिष्ठा में निहित होती है। लेकिन डिजिटल युग ने लेखन की प्रक्रिया को जितना आसान बनाया है, उतना ही उसे सतही भी कर दिया है। आज इंटरनेट पर उपलब्ध असंख्य सामग्री ने लेखन को "कॉपी-पेस्ट संस्कृति" की ओर धकेल दिया है। लोग पढ़ने से अधिक साझा करने में और सोचने से अधिक उद्धृत करने में रुचि लेने लगे हैं। परिणामस्वरूप मौलिक चिंतन की जगह तैयार विचारों ने ले ली है।

सोशल मीडिया के प्रभाव ने इस संकट को और गहरा किया है। आज लेखन का मूल्य उसकी गहराई से नहीं, बल्कि "लाइक्स", "शेयर" और "वायरल" होने की क्षमता से आँका जाने लगा है। लेखक अब पाठकों के मन तक पहुँचने की अपेक्षा एल्गोरिद्म को प्रसन्न करने में अधिक व्यस्त दिखाई देता है। छोटी, उत्तेजक और त्वरित प्रतिक्रियाएँ गंभीर, विचारपूर्ण और धैर्यपूर्ण लेखन पर भारी पड़ रही हैं। इससे भाषा का सौंदर्य, विचार की गंभीरता और अभिव्यक्ति की गरिमा प्रभावित हो रही है। कई बार लेखक भी इस दबाव में अपने मौलिक स्वर को खो देता है और वही लिखने लगता है जो लोकप्रिय हो सके।

डिजिटल माध्यमों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता अर्थात एआई का बढ़ता प्रभाव भी मौलिक लेखन के सामने नई चुनौती बनकर उभरा है। अब मशीनें कविता लिख रही हैं, कहानियाँ रच रही हैं, आलेख तैयार कर रही हैं और भाषण तक बना रही हैं। इससे लेखन की प्रक्रिया तेज और सुविधाजनक अवश्य हुई है, लेकिन यह प्रश्न भी खड़ा हुआ है कि जब मशीनें शब्द गढ़ेंगी तो मनुष्य की रचनात्मकता का स्थान क्या होगा? यदि लेखक केवल तकनीक पर निर्भर हो जाएगा तो उसकी संवेदनात्मक गहराई और आत्मिक संघर्ष समाप्त हो सकते हैं। मशीन जानकारी दे सकती है, भाषा की संरचना बना सकती है, लेकिन जीवन के दर्द, प्रेम, विडंबना और करुणा की अनुभूति केवल मनुष्य ही कर सकता है। इसलिए तकनीक सहायक हो सकती है, सृजनकर्ता नहीं।

मौलिक लेखन की सबसे बड़ी शक्ति स्वतंत्र चिंतन होती है। परंतु डिजिटल युग में सूचनाओं की इतनी अधिकता है कि व्यक्ति के पास सोचने का समय ही नहीं बचता। हर क्षण नई खबरें, वीडियो, टिप्पणियाँ और सूचनाएँ हमारे सामने उपस्थित रहती हैं। इस निरंतर सूचना-वर्षा ने मनुष्य की एकाग्रता और धैर्य को कम कर दिया है। गहन अध्ययन और मनन की संस्कृति कमजोर पड़ रही है। लोग शीर्षक पढ़कर प्रतिक्रिया दे देते हैं, बिना तथ्य जाँचे मत बना लेते हैं और बिना आत्ममंथन किए विचार प्रकट कर देते हैं। ऐसी स्थिति में मौलिक लेखन की जमीन स्वतः कमजोर होती जाती है।

भाषा का संकट भी कम गंभीर नहीं है। डिजिटल मंचों ने भाषा को संक्षिप्त, त्वरित और कई बार विकृत बना दिया है। शब्दों की शुद्धता, व्याकरण की गरिमा और अभिव्यक्ति की सुसंस्कृत शैली धीरे-धीरे कम होती जा रही है। इमोजी और संक्षिप्त संकेतों ने भावों को सरल तो बनाया है, लेकिन भाषा की गहराई को भी सीमित किया है। जब भाषा ही कमजोर होगी तो साहित्य और लेखन की गुणवत्ता कैसे बच पाएगी? मौलिक लेखन केवल नए विचारों से नहीं बनता, बल्कि प्रभावशाली भाषा और संवेदनशील अभिव्यक्ति से भी निर्मित होता है।

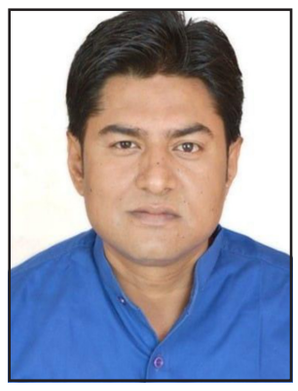
डिजिटल युग में साहित्यिक चोरी अर्थात प्लेज़रिज़्म भी एक गंभीर सामाजिक समस्या बन चुकी है। इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री को बिना श्रेय दिए अपने नाम से प्रस्तुत करना आसान हो गया है। कई लोग प्रसिद्ध लेखकों के विचारों को मामूली बदलाव के साथ अपना बताकर प्रस्तुत कर देते हैं। इससे न केवल सच्चे लेखकों का सम्मान घटता है, बल्कि समाज में बौद्धिक ईमानदारी का संकट भी पैदा होता है। जब परिश्रम और मौलिकता की अपेक्षा चालाकी और तात्कालिक लोकप्रियता को महत्व मिलने लगे तो साहित्यिक वातावरण दूषित हो जाता है।

इसके सामाजिक प्रभाव भी दूरगामी हैं। मौलिक लेखन समाज को सोचने, प्रश्न करने और आत्ममंथन करने की प्रेरणा देता है। यदि समाज में मौलिक विचार कम होंगे तो लोकतांत्रिक चेतना भी कमजोर होगी। समाज केवल भीड़ की मानसिकता का शिकार बन जाएगा। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर फैलने वाली अफवाहें, आधी-अधूरी सूचनाएँ और भ्रामक प्रचार इसी संकट के उदाहरण हैं। जब लोग स्वतंत्र चिंतन छोड़ देते हैं, तब वे आसानी से किसी भी झूठ या प्रोपेगेंडा के प्रभाव में आ सकते हैं। इसलिए मौलिक लेखन केवल साहित्यिक आवश्यकता नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज की अनिवार्यता भी है।

फिर भी डिजिटल युग को केवल नकारात्मक दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा। यही तकनीक नए लेखकों को अवसर भी प्रदान कर रही है। आज गाँव-कस्बों के प्रतिभाशाली युवा भी अपने विचारों को ब्लॉग, वेबसाइट और सोशल मीडिया के माध्यम से दुनिया तक पहुँचा सकते हैं। डिजिटल मंचों ने प्रकाशन की कठिन दीवारों को काफी हद तक तोड़ा है। अनेक ऐसे लेखक सामने आए हैं जिन्हें पारंपरिक प्रकाशन जगत में अवसर नहीं मिल पाता। इसलिए समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग की प्रवृत्ति में है। यदि तकनीक का उपयोग अध्ययन, संवाद और सृजनात्मकता बढ़ाने के लिए किया जाए तो यह मौलिक लेखन की शक्ति को और व्यापक बना सकती है।आवश्यकता इस बात की है कि हम डिजिटल सुविधा और मानवीय संवेदना के बीच संतुलन स्थापित करें। लेखकों को चाहिए कि वे अधिक पढ़ें, गहराई से सोचें और जीवन के वास्तविक अनुभवों से जुड़ें। मौलिकता किसी मशीन से डाउनलोड नहीं की जा सकती; वह जीवन के संघर्ष, समाज के अवलोकन और आत्मा की बेचैनी से जन्म लेती है। शिक्षा संस्थानों को भी विद्यार्थियों में स्वतंत्र चिंतन और रचनात्मक लेखन की संस्कृति विकसित करनी होगी। केवल परीक्षा आधारित शिक्षा से मौलिक लेखक नहीं बन सकते। बच्चों को प्रश्न पूछने, असहमति व्यक्त करने और कल्पनाशीलता विकसित करने का अवसर देना होगा।

समाज को भी लेखन के मूल्यांकन का दृष्टिकोण बदलना होगा।लोकप्रियता और तात्कालिक प्रसिद्धि की बजाय गंभीरता, संवेदनशीलता और वैचारिक ईमानदारी को महत्व देना आवश्यक है। यदि पाठक स्वयं गहन और मौलिक लेखन को प्रोत्साहित करेंगे तो लेखक भी गुणवत्ता की ओर लौटेंगे। साहित्यिक संस्थाओं और मीडिया को भी सस्ते सनसनीखेज लेखन के बजाय सार्थक रचनात्मकता को मंच देना चाहिए।

अंततः यह समझना आवश्यक है कि मौलिक लेखन केवल शब्दों की रचना नहीं, बल्कि मनुष्य की स्वतंत्र आत्मा की अभिव्यक्ति है। डिजिटल युग चाहे जितना विकसित हो जाए, तकनीक चाहे कितनी ही बुद्धिमान क्यों न बन जाए, मनुष्य की संवेदना, अनुभव और अंतर्दृष्टि का कोई विकल्प नहीं हो सकता। यदि हम अपने भीतर के विचारशील मनुष्य को बचाए रखेंगे, तो मौलिक लेखन भी जीवित रहेगा। लेकिन यदि हम केवल स्क्रीन की चमक में खो गए, तो संभव है कि शब्द तो बहुत होंगे, पर उनमें आत्मा नहीं होगी। डिजिटल युग की सबसे बड़ी चुनौती यही है—सूचनाओं के महासागर में विचार की एक बूंद को बचाए रखना, और भीड़ के शोर में मनुष्य की मौलिक आवाज़ को पहचानना। निष्कर्ष यह है कि डिजिटल युग ने लेखन को व्यापक अवसर और अभूतपूर्व मंच प्रदान किए हैं, किंतु इसके साथ मौलिकता, गहन चिंतन और भाषाई गरिमा पर गंभीर संकट भी उत्पन्न हुआ है। तकनीक स्वयं समस्या नहीं है, बल्कि उसका सतही और अनैतिक उपयोग चुनौती बन गया है। यदि लेखक केवल लोकप्रियता, त्वरित प्रतिक्रिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर निर्भर हो जाएंगे, तो लेखन की आत्मा कमजोर पड़ जाएगी।मौलिक लेखन को बचाने के लिए आवश्यक है कि समाज अध्ययन, स्वतंत्र चिंतन, संवेदनशीलता और बौद्धिक ईमानदारी को महत्व दे। तकनीक का उपयोग सहायक साधन के रूप में हो, न कि मानवीय रचनात्मकता के विकल्प के रूप में। जब तक मनुष्य अपने अनुभवों, संघर्षों और संवेदनाओं से जुड़कर लिखता रहेगा, तब तक मौलिक लेखन जीवित रहेगा और समाज को सही दिशा देता रहेगा।



-नफीस आफरीदी

विश्व साइकिल दिवस

डॉ. मोनिका शर्मा



# पर्यावरण-स्वास्थ्य संकट के दौर में बढ़ा साइकिल का महत्व

आज विश्व साइकिल दिवस है। हर वर्ष 3 जून को मनाया जाने वाला यह खास दिन साइकिल के उपयोग को बढ़ावा देने वाली जन-जागरूकता लाने से जुड़ा है। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2018 में पर्यावरण अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देने के साइकिल के इस्तेमाल को रेखांकित करने हेतु यह घोषित किया गया था। वहीं 2022 में टिकाऊ विकास को बढ़ावा देने के लिए साइकिलों को सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था के एक अभिन्न अंग के तौर पर शामिल किया गया। तकलीफदेह है कि इन्सानों और पर्यावरण, दोनों स्वस्थ रखने वाली साइकिल, सुविधाजनक जीवनशैली की चाह में आम जीवन से दूर हो गई है। जबकि परिवहन के इस सरल, किफायती और स्वच्छ साधन से दूर होना प्रकृति और इंसानी मन-जीवन दोनों पर भारी पड़ रहा है। यही वजह है कि यह दिन वैश्विक स्तर पर लोगों को दैनिक यात्रा में प्रदूषण घटाने और सक्रिय जीवन शैली के लिए साइकिल का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है। विचारणीय है कि आज देश और दुनिया में छाये ऊर्जा संकट के बीच साइकिल की सवारी बेहद अहम हो गई है। इतना ही नहीं, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों में सुधार करने वाली साइकिल बढ़ती व्याधियों के चलते भी उपयोगी हो चली है। साथ ही पर्यावरण के मोर्चे पर दमघोटू होती हवा, ट्रैफिक जाम और पर्यावरण असंतुलन से तापमान और ठंड में असहनीय बढ़ोतरी को देखते हुए साइकिल सवासरी की ओर फिर लौटना आवश्यक है। ध्यातव्य है कि विश्व साइकिल दिवस 2026 का विषय भी 'हरियाली भरे भविष्य के लिए साइकिल चलाना' है। यह विषय पर्यावरण संरक्षण, कार्बन उत्सर्जन को कम करने और सतत परिवहन को बढ़ावा देने में साइकिल की भूमिका पर केंद्रित है। लाजिमी भी है क्योंकि ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसी जीवन का जोखिम बनने वाली समस्याओं का व्यावहारिक समाधान साइकिल का उपयोग करना ही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा भी स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए लाभकारी साइकिल चलाने को महत्वपूर्ण माना जाता है। डब्लूएचओ शारीरिक गतिविधि बढ़ाने, कैंसर और मधुमेह जैसी गैर-संचारी बीमारियों को कम करने और वायु- ध्वनि प्रदूषण घटाने के लिए साइकिल के उपयोग बढ़ावा देता है। साइकिलिंग को शिक्षा, ऊर्जा, रोजगार, शहरों और असमानताओं सहित कई सतत विकास लक्ष्यों की उपलब्धि के सूत्रधार के रूप में मान्यता भी देता है। असल में स्वास्थ्य से जुड़ी चिंतनीय स्थितियों के बीच साइकिल का उपयोग बहुत मददगार साबित हो सकता है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा हाल ही में जारी किए सर्वेक्षण के अनुसार भारत में मोटापे से ग्रस्त आबादी के आंकड़े बढ़ रहे हैं।वर्ष 2023-24 में 30.7 प्रतिशत महिलाएं और 27.3 प्रतिशत पुरुष मोटापे से ग्रस्त पाए गए हैं।सर्वेक्षण में सामने आया है कि वयस्कों में शरीर का वजन ही नहीं, ब्लड शुगर भी बढ़ रहा है। समझना कठिन नहीं शारीरिक निष्क्रियता इसका अहम कारण है।

परंपरागत जीवनशैली वाले भारतीय समाज में साइकिल बच्चों की प्यारी और पसंदीदा सवारी रही है। बदलती जीवनशैली के चलते बच्चे भी इससे दूर हुए हैं। इसी के चलते कम उम्र में ही मोटापा घेर रहा है। इस मामले में वर्ल्ड ओबेसिटी एटलस-2026 की रिपोर्ट भी चेताने वाली है। रिपोर्ट में बच्चों में मोटापे के मामले में भारत चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। स्वास्थ्य से जुड़ी गंभीर चुनौती बना मोटापा बच्चों में डायबिटीज, हृदय रोग और दूसरी जानलेवा व्याधियों का जोखिम बढ़ा रहा है। विचारणीय हैं कि ऊर्जा संकट से निपटने के लिए भी नागरिकों को साइकिल की सवारी को प्राथमिकता देनी चाहिए। साइकिल का उपयोग ऊर्जा संकट का तो सबसे प्रभावी हल है। यह सीधे-सीधे पेट्रोल, डीजल और बिजली पर निर्भरता को कम करता है, जिससे कार्बन उत्सर्जन में कमी आती है। पैदल चलने और साइकिल चलाने जैसी गतिविधियां संयुक्त रूप से 2034 तक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को लगभग 37 प्रतिशत तक कम करने की क्षमता रखती है। ऐसे में साइकिल का इस्तेमाल वायु गुणवत्ता में सुधार, पर्यावरण संरक्षण और आथिक बेहतरी से भी जुड़ा है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के आंकड़ों के अनुसार, देश के लगभग 55 प्रतिशत भारतीय घरों में साइकिल मौजूद होने के बावजूद इसके इस्तेमाल के प्रति उदासीनता का भाव है। आवश्यक है कि यह दिन साइकिल रेलियों, दिवस विशेष से जुड़े आयोजनों और जन-जागरूकता अभियानों तक ही ना सिमटे। आर्थिक, सामाजिक, स्वास्थ्य और प्रकृति की बेहतरी से जुड़ी साइकिल की सवारी को आम जीवन में जगह दें।

( लेखिका स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

## मंदिर जैसे उपासना स्थल क्यों बनाए जाते हैं?



संकलित

दर्शन

जब ईश्वर का वास हृदय में माना गया है, तो मंदिर जैसे उपासना स्थल क्यों बनाए जाते हैं? मंदिरों की स्थापना के पीछे उद्देश्य था कि पूजा, अर्चना और यज्ञ आदि द्वारा पवित्र तन्मात्राओं यानी पंचभूतों के सूक्ष्म रूप की सृष्टि की जाए। किसी साधु हृदय व्यक्ति को पूजा का कार्यभार सौंपा जाए। स्थान का मन पर अदृश्य प्रभाव पड़ता है। चिकित्सालय में व्यक्ति को हर तरफ रोग और रोगी ही दिखते हैं। स्वस्थ व्यक्ति भी वहां अशक्त महसूस करने लगता है। हमारे शरीर से प्रतिदिन शुभ या अशुभ अदृश्य सूक्ष्म शक्ति-राशि का उत्सर्जन होता रहता है। मंदिर जाने वाला व्यक्ति काम, क्रोध और आलस्य बाहर छोड़कर ईश्वर के प्रति भक्तिभाव से जाता है। यह सामूहिक भक्ति या उपासना शुभ तन्मात्राओं व तरंगों का सृजन करती है। अतः यहां आगमन दुर्बल मन वाले मनुष्यों में ऊर्जा का संचार करता है। सज्जनों से ही प्रार्थना स्थलों की पवित्रता बनी रहती है। यदि मंदिर में असाधु व्यक्तियों का आवागमन बढ़ जाए तो स्थान अपनी पवित्रता खोने लगता है। पवित्र श्रवण मास में शिवलिंग पर दुग्ध, बेलपत्र, फल-फूल आदि चढ़ाकर पुण्य अर्जित करने की होड़ लगी रहती है। यदि ईश्वर है और वह हमारी प्रार्थना से प्रसन्न होता है तो वह एक बेलपत्र, अंजुली भर दूध या एक पुष्प से भी प्रसन्न हो जाएगा। सावन के महीने से इतर भी ये दृश्य आमतौर पर मंदिरों में आम होते हैं। यदि यह व्यवस्था सुचारु न हो तो अव्यवस्था स्वाभाविक है। इसी कारण कई मंदिरों में व्यक्तिगत रूप से भोग-अर्पण की मनाही है।

## संस्कार क्या है?



संकलित

प्रेरणा

एक राजा के पास सुन्दर घोड़ी थी। कई बार युद्ध में इस घोड़ी ने राजा के प्राण बचाये और घोड़ी राजा के लिए पूरी वफादार थी। कुछ दिनों के बाद इस घोड़ी ने एक बच्चे को जन्म दिया, बच्चा काना पैदा हुआ, पर शरीर हष्ट पुष्ट व सुडौल था। बच्चा बड़ा हुआ, बच्चे ने माँ से पूछा- मां मैं बहुत बलवान हूं, पर काना हूँ, यह कैसे हो गया? इस पर घोड़ी बोली- बेटा जब मैं गर्भवती थी, तू पेट में था तब राजा ने मेरे ऊपर सवारी करते समय मुझे एक कोड़ा मार दिया, जिसके कारण तू काना हो गया। यह बात सुनकर बच्चे को राजा पर गुस्सा आया और मां से बोला- मां मैं इसका बदला लूंगा। मां ने कहा राजा ने हमारा पालन-पोषण किया है, तू जो स्वस्थ है, सुन्दर है, उसी के पोषण से तो है, यदि राजा को एक बार गुस्सा आ गया तो इसका अर्थ यह नहीं है कि हम उसे क्षति पहुंचाए, पर उस बच्चे के समझ में कुछ नहीं आया, उसने मन ही मन राजा से बदला लेने की सोच ली। एक दिन यह मौका घोड़े को मिल गया राजा उसे युद्ध पर ले गया। युद्ध लड़ते-लड़ते राजा एक जगह घायल हो गया, घोड़ा उसे तुरन्त उठाकर वापस महल ले आया। इस पर घोड़े को ताज्जुब हुआ और माँ से पूछा- मां आज राजा से बदला लेने का अच्छा मौका था, पर युद्ध के मैदान में बदला लेने का ख्याल ही नहीं आया और न ही ले पाया, मन ने गवारा नहीं किया। इस पर घोडी हंस कर बोली- बेटा तेरे खून में और तेरे संस्कार में धोखा है ही नहीं, तू जानकर तो धोखा दे ही नहीं सकता है। तुझ से नमक हरामी हो नहीं सकती, क्योंकि तेरी नस्ल में तेरी मां का ही तो अंश है।

## अंतर्मन




### आज की पाती

**टीबी अब लाइलाज बीमारी नहीं**

एक समय था जब टीबी यानी क्षय रोग का नाम सुनते ही मरीज और उसके परिवार में डर का माहौल बन जाता था। लोगों को लगता था कि यह बीमारी जीवन भर पीछा नहीं छोड़ेगी और इसका इलाज संभव नहीं है। जानकारी की कमी और स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव के कारण अनेक मरीज समय पर उपचार नहीं ले पाते थे। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में चिकित्सा विज्ञान ने इस क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। आज टीबी का प्रभावी इलाज उपलब्ध है और लाखों मरीज पूरी तरह स्वस्थ होकर सामान्य जीवन जी रहे हैं। यही कारण है कि अब टीबी को लाइलाज बीमारी नहीं माना जाता, बल्कि समय पर पहचान और नियमित उपचार से इसे पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। - *कांतिलाल मांडोत, सूरत*

## ट्रेंड

### 'वंदे भारत' ट्रेन



आत्मनिर्भर और सशक्त भारत का प्रतीक बन चुकी स्वदेशी 'वंदे भारत' ट्रेन, जो सुरक्षित और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है, देश के विकास की एक जीवंत तस्वीर पेश करती है।

-**जगत प्रकाश नड्डा,** केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

### अग्निवीर योजना



केंद्र सरकार द्वारा भारतीय सेना में अग्निवीर योजना लागू किए जाने से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सीमित हो गए हैं। अग्निवीर योजना के कारण कई युवाओं के सपने और आकांक्षाएं आहत हुई हैं, जिससे उनमें निराशा का माहौल पैदा हो गया है।

-**सुखविंदर सिंह सुक्खू,** सीएम, हिमाचल प्रदेश

### कानून-व्यवस्था का पतन



पश्चिमी उत्तर प्रदेश से एशियाई खेलों के लिए चयनित पैरा एथलीट विराग त्यागी की हत्या, राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी अनुष्का पाल की हत्या, सूर्य चौहान और एक दूध व्यापारी की हत्या उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था के पतन का प्रतीक है।

-**अखिलेश यादव,** सांसद, सपा

### झारखंड शराब घोटाला



झारखंड शराब घोटाला महज भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि सत्ता में बैठे लोगों के संरक्षण में चलाया जा रहा एक संगठित आर्थिक अपराध है। शराब माफियाओं और सत्ता में बैठे लोगों के करीबी लोगों की मिलीभगत से जनता की कमाई को खुलेआम लूटा गया।

-**बाबूलाल मरांडी,** पूर्व सीएम, झारखंड

## करंट अफेयर

# अफगान में महिला शिक्षाविदों का भविष्य अंधकारमय



कल्पना कीजिए कि आपने अपना करियर बनाने में दशकों लगा दिए हैं। आपके पास मास्टर डिग्री है। आपने सैकड़ों विद्यार्थियों को पढ़ाया है। आप हर सुबह उद्देश्य और उत्साह के साथ अपने कार्यस्थल पहुंचती हैं। फिर रातोंरात आपके लिए संस्थान के दरवाजे बंद कर दिए जाते हैं। आपको बता दिया जाता है कि अब आप वापस नहीं आ सकतीं। ऐसा किसी गलती की वजह से नहीं हुआ, बल्कि इसलिए हुआ क्योंकि आप एक महिला हैं। अगस्त 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद पूरे अफगानिस्तान में महिला शिक्षाविदों के साथ यही हुआ। हमने 12 अफगान महिला शिक्षाविदों से बातचीत की। इनमें से आठ उस समय अफगानिस्तान में थीं, जबकि चार हाल ही में देश छोड़ चुकी थीं। जो महिलाएं अफगानिस्तान में थीं, उनमें से केवल एक ही बाद में देश छोड़ने में सफल हुई। बाकी सभी अब भी वहीं हैं। उन्होंने जो कुछ हमें बताया, वह बेहद पीड़ादायक था। जब तालिबान ने 1996 से 2001 के बीच पहली बार अफगानिस्तान पर शासन किया था, तब महिलाओं को शिक्षा और कई प्रकार के रोजगार से वंचित कर दिया गया था। अमेरिका के नेतृत्व वाले हस्तक्षेप के बाद स्थिति धीरे-धीरे सुधरी।

## ऑफ बीट

# लाफिंग गैस के निरंतर उपयोग से मौत संभव



अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन अमेरिकी नागरिकों को मनोरंजन के लिए नाइट्रस ऑक्साइड उत्पादों के लगातार बढ़ते और संभावित रूप से घातक उपयोग के बारे में चेतावनी दे रहा है, विशेष रूप से युवाओं के बीच। नाइट्रस ऑक्साइड को आमतौर पर लाफिंग गैस कहा जाता है। 'गैलेक्सी गैस' और 'मियामी मैजिक' जैसे नामों से बेचे जाने वाले ये उत्पाद सस्ते हैं और गैस स्टेशन, बड़े किराना स्टोर और वॉलमार्ट सहित प्रमुख खुदरा दुकानों पर आसानी से उपलब्ध हैं। इन्हें ऑनलाइन भी बेचा जाता है। सार्वजनिक स्वास्थ्य मामलों के सहायक प्रोफेसर के रूप में इन उत्पादों का अध्ययन करने के चलते मैं जानता हूं कि ये कितने खतरनाक हो सकते हैं। लाफिंग गैस का मनोरंजन के लिये या अन्य वजहों से निरंतर उपयोग कई प्रकार की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है, और कुछ मामलों में मृत्यु भी हो सकती है। संभावित नुकसान की एक लंबी सूची- लाफिंग गैस के बार-बार इस्तेमाल से होने वाले गंभीर दुष्प्रभावों की सूची लंबी है। इसमें स्मृति हानि, मतिभ्रम, सिरदर्द, चक्कर आना, चिड़चिड़ापन, रक्त के थक्के, अंगों की कमजोरी, चलने में परेशानी, आंत्र या मूत्राशय की समस्या, रीढ़ की हड्डी से जुड़ी समस्या और मस्तिष्क क्षति शामिल हैं।

# जयपुर में थार बनी काल, रात 2 बजे फूड डिलीवरी वाले को रौंदा

## - MBBS स्टूडेंट ने गाड़ी से युवक को 150 मीटर तक घसीटा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर में एक बार फिर तेज रफ्तार का खौफनाक 'हिट एंड रन' मामला सामने आया है। शहर में एक बार फिर थार काल बनकर दौड़ी। जगतपुरा के महल रोड पर तेज रफ्तार थार गाड़ी ने बाइक सवार फूड डिलीवरी बॉय को टक्कर मार दी और उसे करीब 150 मीटर तक घसीटते हुए ले गया। हादसे में गंभीर घायल युवक को थार सवार ही महात्मा गांधी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह हादसा 1 जून की देर रात डेढ़ से दो बजे के बीच रामनगरिया थाना क्षेत्र के महल रोड (जगतपुरा) पर अक्षयपात्र चौराहे के पास हुआ। शिवदासपुरा थाना प्रभारी मनोहर ने बताया कि मृतक युवक दौसा के रहने वाले था। दुर्घटना के बाद वहां मौजूद 2 युवकों ने थार को रोक लिया। थार में तीन युवक सवार थे। आरोप है कि थार सवार सभी युवक नशे में थे। गाड़ी सीतापुरा के महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल का एमबीबीएस स्टूडेंट चला रहा था। थार गाड़ी मालवीय नगर के रहने वाले दलजीत कौर के नाम से रजिस्टर्ड है। इस गाड़ी का पहले दो बार ओवर स्पीड का चालान कट चुका है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया थार गाड़ी में बीयर की बोतलें और केन रखी हुई थीं। परिवार वालों ने आरोप लगाया कि युवक के शव के साथ छेड़छाड़ की गई है। उन्होंने महात्मा गांधी हॉस्पिटल और थाने के घेराव की चेतावनी भी दी है। हादसे के बाद करीब 8 अन्य लोग महात्मा गांधी हॉस्पिटल पहुंचे। उनका आरोप है कि हॉस्पिटल में आरोपी के साथियों ने गाली-गलौज और हाथापाई की। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच मामला शांत कराया।



**पास में हॉस्पिटल था, फिर भी महात्मा गांधी क्यों ले गए**

जिस जगह पर ये हादसा हुआ उससे कुछ ही दूरी पर जीवन रेखा हॉस्पिटल है। इसका साइन बोर्ड मुख्य सड़क पर ही लगा हुआ है। इसके बावजूद घायल को आरोपी महात्मा गांधी हॉस्पिटल तक ले गया। परिजनों ने भी यही सवाल किया कि उसे जीनवरेखा हॉस्पिटल क्यों नहीं ले जाया गया।

**फूड डिलीवरी का काम करता था युवक**

दौसा के रहने वाला मृतक राकेश मीणा (28) कुछ समय से परिवार के साथ ब्यावर में रहता था। 5 दिन पहले ही पत्नी और दो बेटों के साथ जयपुर के जगतपुरा स्थित आरती नगर में रहते शिफ्ट हुआ था। राकेश के दो बेटे दक्ष (8) और कृष्णा (4) हैं। वह ऑनलाइन फूड डिलीवरी का काम करते थे। देर रात कुंभा मार्ग से बॉम्बे हॉस्पिटल की ओर जा रहा था। इसी दौरान अक्षयपात्र चौराहे के पास तेज गति से आई थार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें महात्मा गांधी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

**पिता का आरोप, बेटे को 150 मीटर घसीटते ले गए**

राकेश मीणा (मृतक) के पिता मुरलीधर मीणा ने कहा- शराब पीकर दुर्घटना की गई है। मेरा बच्चा रात को निकल रहा था। वह काम पर निकला था। रोड क्रॉस करते समय बाइक के पीछे से टक्कर मारी। इसके बावजूद नशे में धुत युवाओं ने गाड़ी नहीं रोकी। करीब 150 मीटर घसीटते ले गए। घटनास्थल के पास जीवन रेखा हॉस्पिटल था। वहां लेकर नहीं गए। चूंकि टक्कर मारने वाला महात्मा गांधी हॉस्पिटल का स्टूडेंट था, इसलिए वह मेरे बेटे को वहां ले गया। ताकि अपने हिसाब से केस को हैंडल किया जा सके। वहीं मृतक के रिश्तेदार रामजीलाल मीणा ने बताया कि जानबूझकर किए गए हादसे को पुलिस ने कमजोर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। उन्होंने कहा- हम न्याय के लिए मंत्री डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा सहित सभी विधायकों तक जाएंगे, चाहे प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री तक जाना पड़े हम जाएंगे। धरना भी देंगे, प्रदर्शन भी करेंगे, जिससे कि परिवार को न्याय मिल सके।

**टक्कर के बाद कार चालक को युवकों ने रोका**

दुर्घटना के बाद महल रोड (जगतपुरा) मौजूद 2 युवकों ने थार को रोक लिया। थार में तीन युवक सवार थे। आरोप है कि थार सवार सभी युवक नशे में थे। शिवदासपुरा थाना प्रभारी मनोहर ने बताया कि गाड़ी सीतापुरा के महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल का MBBS स्टूडेंट चला रहा था।

**आरोपी MBBS छात्र बोला- घायल युवक को मैं हॉस्पिटल लेकर आया**

आरोपी MBBS छात्र ने कहा- मैं घायल को हॉस्पिटल लेकर आया था। उसे सीपीआर भी दी। वहां मौजूद लोगों ने मुझे मारा भी। मुझे काफी चोटें भी आई हैं। मौके पर पहुंचे लोगों का आरोप है कि हादसे के बाद आरोपी भागने की फिराक में थे।

**थानाधिकारी बोले- नियमानुसार कार्रवाई होगी**

रामनगरिया थानाधिकारी चंद्रभान सिंह ने कहा कि अक्षय पात्र चौराहे से थोड़ा आगे एक बाइक सवार का थार गाड़ी से एक्सीडेंट हुआ, जिसमें वह घायल हुआ। थार ड्राइवर ने उसे हॉस्पिटल में भर्ती कराया। बाद में उसकी हॉस्पिटल में मौत हो गई। गाड़ी को जब्त कर लिया है। ड्राइवर के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

## ब्रीफ खबरें

### नगर निगम जयपुर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्रवाई

#### -12 हजार रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 6 केन्टर सामान जब्त



जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त ओम कसेरा के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में बुधवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में सरावली मेन्शन, झालाना डूंगरी, दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन के सामने, झारखण्ड महादेव मन्दिर से खातीपुरा तिराहा सिरसी रोड़ तक, महिला पुलिस थाना के पास सीकर रोड़, मध्यम मार्ग वीटी रोड़, विजय पथ शिप्रापथ एवं महारानी फार्म दुर्गापुरा आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया।

उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 6 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 12 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

### जयपुर में फिर लौटी गर्मी, बढ़े तापमान और उमस ने बढ़ाई परेशानी

जयपुर। राजधानी जयपुर में पांच दिनों तक अपेक्षाकृत सुहाने मौसम के बाद एक बार फिर गर्मी ने जोर पकड़ लिया है। बुधवार को तापमान में बढ़ोतरी के साथ उमस ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी। चिलचिलाती धूप और हवा में नमी के कारण लोग दिनभर पसीने से तरबतर नजर आए। मौसम विभाग के अनुसार, बीते 24 घंटों में जयपुर का अधिकतम तापमान करीब 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं प्रदेश के कई जिलों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। बढ़ती गर्मी और उमस के कारण आमजन को राहत नहीं मिल पा रही है। बाजारों, सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर लोगों को गर्मी से बचाव के उपाय करते देखा गया। मौसम विभाग ने बुधवार के लिए प्रदेश के केवल कुछ जिलों में आंधी और हल्की बारिश की संभावना जताई है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि दो दिन बाद एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकता है, जिससे मौसम में कुछ बदलाव देखने को मिल सकता है। जयपुर के लोगों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से मौसम अपेक्षाकृत सुहाना था,



लेकिन अब अचानक बढ़ी गर्मी और उमस ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। लोग मानसून की बारिश का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं ताकि गर्मी से राहत मिल सके। इस बीच नौतपा का असर भी प्रदेश में महसूस किया जा रहा है। नौतपा के दौरान सूर्य की किरणें अधिक तीव्र होती हैं, जिससे तापमान सामान्य से काफी ऊपर पहुंच जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि इस मौसम में हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और थकावट का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए लोगों को पर्याप्त पानी पीने, हल्का भोजन करने और दोपहर के समय अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचने की सलाह दी गई है। बढ़ती गर्मी और उमस के बीच फिलहाल जयपुर सहित प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में लोगों को राहत का इंतजार है।

### राजस्थान पुलिस की मेगा नाकाबंदी, 15 हजार से ज्यादा चालान और 226 गिरफ्तार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। अपराध नियंत्रण, असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई और यातायात नियमों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राजस्थान पुलिस ने पूरे प्रदेश में व्यापक "मेगा नाकाबंदी अभियान" चलाया। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के निर्देश पर 1 जून को आयोजित इस विशेष अभियान में पुलिस ने बड़ी संख्या में वाहनों की जांच की और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। अतिरिक्त महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) वी.के. सिंह ने बताया कि प्रदेशभर में 1103 नाकाबंदी पॉइंट स्थापित किए गए थे। अभियान के दौरान 39,984 दुपहिया और 34,888 चौपहिया वाहनों सहित कुल 74 हजार से अधिक वाहनों की जांच की गई। इस दौरान विभिन्न मामलों में 226 लोगों को गिरफ्तार किया गया।



यातायात नियमों के उल्लंघन पर पुलिस ने 15,083 चालान जारी किए। इनमें बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले 3,234, बिना सीट बेल्ट के 1,648, मोबाइल फोन पर बात करते हुए वाहन चलाने वाले 184, नंबर प्लेट नियमों का उल्लंघन करने वाले 1,653 तथा काली फिल्म लगे वाहनों के 1,643 चालान शामिल हैं। इसके अलावा शराब पीकर वाहन चलाने वाले 385 चालकों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों पर भी विशेष नजर रखी। जांच के दौरान 11 वाहन जब्त किए गए और 73 प्रकरण दर्ज किए गए। इनमें आर्म्स एक्ट, आबकारी अधिनियम, एनडीपीएस एक्ट और अन्य विशेष कानूनों से जुड़े मामले शामिल हैं। पुलिस ने 63 आरोपियों को विभिन्न मामलों में गिरफ्तार किया, जबकि 163 लोगों को संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर हिरासत में लिया गया। नाकाबंदी के दौरान जयपुर रेंज में पांच वाहन और 25.50 लाख रुपये की नकदी जब्त की गई। वहीं भरतपुर, कोटा और बीकानेर रेंज में अवैध शराब, मादक पदार्थ, वाहन और अन्य सामान भी बरामद किए गए। रेंजवार प्रदर्शन में जयपुर रेंज सबसे आगे रही, जहां 2,492 चालान किए गए और 13,589 वाहनों की जांच की गई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि भविष्य में भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे ताकि अपराधों पर अंकुश लगाया जा सके और सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाया जा सके।

### गांव-गांव पहुंचेगी बैंकिंग सेवा, पैक्स और डेयरी समितियां बनेंगी बैंक मित्र



जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाओं को घर-घर तक पहुंचाने की दिशा में बड़ा कदम उठा रही है। सहकारिता विभाग ने 'सहकार से समृद्धि' अभियान के तहत ग्राम सेवा सहकारी समितियों (पैक्स) और प्राथमिक डेयरी सहकारी समितियों के माध्यम से डोर-स्टेप बैंकिंग सेवाओं का विस्तार शुरू किया है। सहकारिता विभाग के शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार डॉ. समित शर्मा ने बताया कि राज्य की सक्रिय डेयरी समितियों को बैंक मित्र बनाकर माइक्रो एटीएम उपलब्ध कराए जाएंगे। लक्ष्य है कि 30 सितंबर 2026 तक 5 हजार सहकारी समितियों और 31 मार्च 2027 तक सभी 12 हजार सक्रिय दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों को इस सुविधा से जोड़ा जाए। नाबार्ड की वित्तीय सहायता से उपलब्ध कराए जा रहे माइक्रो एटीएम के जरिए ग्रामीण अपने खाते का बैलेंस देख सकेंगे, नकद लेन-देन कर सकेंगे, ऋण राशि प्राप्त कर सकेंगे और ऋण जमा भी करा सकेंगे। अब तक करीब 2,700 पैक्स और 557 डेयरी समितियों को माइक्रो एटीएम उपलब्ध कराए जा चुके हैं। नई व्यवस्था के तहत पैक्स और डेयरी समितियों के व्यवस्थापक ग्रामीणों के घर या कार्यस्थल पर जाकर खाते खोलने और जमा संग्रहण की सुविधा भी देंगे। इससे ग्रामीणों को बैंक तक बार-बार नहीं जाना पड़ेगा और उन्हें अपने गांव में ही बैंकिंग सेवाएं मिल सकेंगी। डॉ. शर्मा ने कहा कि यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देगी, सहकारी संस्थाओं को मजबूत बनाएगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान करेगी। साथ ही समितियों को कमीशन के रूप में अतिरिक्त आय का स्रोत भी मिलेगा।

### भाजपा एससी मोर्चा मंडल अध्यक्ष की गला रेतकर हत्या, कबाड़ के गोदाम में खून से लथपथ मिला शव

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर के मनोहरपुर इलाके में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के पूर्व मंडल अध्यक्ष की हत्या कर दी गई। वे सोमवार रात कबाड़ गोदाम में खून से लथपथ मिले थे। परिवार वालों का आरोप है कि गला व हाथ की नस रेतकर उनका मर्डर किया गया है। थानाधिकारी सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि मनोहरपुर कस्बा निवासी रामावतार असवाल उर्फ पप्पू (52) की हत्या की गई। मनोहरपुर बस स्टैंड के पास उनका कबाड़ का गोदाम है। वे सोमवार रात को गोदाम पर थे। शुरुआती जांच में सामने आया कि सोमवार शाम करीब 7:30 बजे एक व्यक्ति गोदाम पर आया था। वह धारदार हथियार से गला रेतकर भाग गया। काफी देर तक घर नहीं आने पर परिवार वालों को चिंता हुई। जब परिवार के सदस्य गोदाम पहुंचे तो होश उड़ गए। लहूलुहान रामावतार गोदाम में पड़े थे। उन्हें निम्स हॉस्पिटल ले जाकर पुलिस



को सूचना दी गई। हॉस्पिटल में डॉक्टरों ने जांच करने के बाद मृत घोषित कर दिया।

बीजेपी नेता की हत्या की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में गांव वाले परिवार वालों के साथ थाने के सामने इकट्ठे हो गए थे। पुलिस ने गोदाम और उसके आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। धरने में विधायक मनीष यादव और भाजपा नेता उपेन यादव सहित कई नेता शामिल हुए। शाम को एडीएम राजेंद्र सिसोदिया व प्रशासन के साथ हुई वार्ता में सहमति बनने के बाद धरना समाप्त हुआ। पुलिस ने 5 दिन में हत्याकांड का खुलासा करने का आश्वासन दिया। साथ ही प्रशासन ने रामावतार के परिजन को संविदा पर नौकरी, डेयरी बूथ के आवंटन का प्रस्ताव भेजने और 7 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा की। एडिशनल एसपी ने कहा- चार टीमें बनाई गई हैं। हत्यारे की तलाश में दबिश दी जा रही है। प्रारंभिक जांच में आपसी रंजिश के चलते हत्या होना सामने आ रहा है।

### राजस्थान यूनिवर्सिटी में छात्रों का हंगामा, पुलिस से झड़प, कई हिरासत में

जयपुर। राजस्थान यूनिवर्सिटी में बुधवार को सिंडिकेट बैठक के दौरान फीस वृद्धि, छात्रसंघ चुनाव और अन्य छात्र हितों से जुड़े मुद्दों को लेकर जमकर हंगामा हुआ। बड़ी संख्या में छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की तथा तीखी झड़प भी हुई, जिससे परिसर में तनाव का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, विश्वविद्यालय की सिंडिकेट बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा होनी थी। बैठक से पहले ही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) और अन्य छात्र संगठनों ने अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन का ऐलान कर दिया था। बैठक शुरू होते ही छात्र परिसर में एकत्र हुए और प्रशासन



के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। जब छात्र बैठक स्थल की ओर बढ़ने लगे तो पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच बहस और धक्का-मुक्की हुई। प्रदर्शनकारी छात्र पीछे हटने को तैयार नहीं हुए, जिसके बाद पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर उन्हें पीछे धकेला। कुछ समय के लिए परिसर में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई।

हंगामा बढ़ने पर पुलिस ने कई छात्रों को हिरासत में लिया। हालांकि बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया। एबीवीपी के राष्ट्रीय संयोजक भारत भूषण यादव के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में छात्रों ने बढ़ी हुई फीस वापस लेने, छात्रसंघ चुनाव कराने, हॉस्टलों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने, प्रवेश परीक्षाएं समय पर आयोजित करने, परिणाम जल्द घोषित करने और विश्वविद्यालय की जर्जर लाइब्रेरी के नवीनीकरण की मांग उठाई।

प्रदर्शनकारी छात्र अपनी मांगों को सीधे कुलपति और सिंडिकेट सदस्यों के सामने रखना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें बैठक स्थल तक पहुंचने की अनुमति नहीं दी। इसके बाद छात्रों का विरोध और तेज हो गया। लंबे समय तक चले इस विरोध प्रदर्शन के कारण विश्वविद्यालय परिसर में तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। फिलहाल प्रशासन और छात्र संगठनों के बीच गतिरोध जारी है।

### 50 करोड़ से अधिक की जीएसटी चोरी का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

जयपुर । वाणिज्यिक कर विभाग की प्रवर्तन शाखा-द्वितीय ने 50 करोड़ रुपये से अधिक की जीएसटी चोरी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी महेश चंद गुप्ता को गिरफ्तार किया है। आरोपी को बुधवार को विशेष न्यायालय (आर्थिक अपराध) जयपुर में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। जांच में सामने आया कि महेश चंद गुप्ता द्वारा संचालित जेएसएम इंडस्ट्रीज फर्म ने वित्तीय वर्ष 2022-23, 2023-24 और 2024-25 के दौरान मुख्य रूप से बादाम के बड़े पैमाने पर क्रय-विक्रय किए, लेकिन इन लेन-देन को लेखा पुस्तकों में दर्ज नहीं किया गया। साथ ही बिना कर चालान जारी किए माल की आपूर्ति कर जीएसटी का भुगतान भी नहीं किया गया। दस्तावेजों, डिजिटल रिकॉर्ड और ऑडिट रिपोर्ट के सत्यापन में फर्म द्वारा गुप्त रूप से माल का क्रय, भंडारण और विक्रय किए जाने की पुष्टि हुई। इसके आधार पर आरोपी को जीएसटी अधिनियम 2017 की धारा 69 के तहत गिरफ्तार किया गया। विभाग ने कहा कि मामले में अन्य व्यक्तियों या फर्मों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। कर चोरी के खिलाफ ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

### आईएफएमएस 3.0 से वित्तीय प्रबंधन होगा अधिक पारदर्शी और तकनीक-सक्षम: मुख्य सचिव

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा है कि इंटीग्रेटेड फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम (आईएफएमएस) 3.0 राज्य की वित्तीय व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह, ट्रेसेबल और तकनीक-सक्षम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सुशासन को मजबूत करने के लिए आधुनिक तकनीकों के व्यापक उपयोग पर जोर दे रही है। बुधवार को सचिवालय से आयोजित आईएफएमएस 3.0 वेबिनार को संबोधित करते हुए मुख्य सचिव ने अधिकारियों को सभी मॉड्यूल्स का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सुशासन की सोच के अनुरूप ट्रेजरी और वित्तीय प्रबंधन प्रणाली को और अधिक आधुनिक, मजबूत तथा विश्वसनीय बनाया जा रहा है।

मुख्य सचिव ने आईएफएमएस 3.0 को अधिक यूजर फ्रेंडली बनाने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित सुविधाओं को शामिल करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने



विभागों के बीच बेहतर समन्वय, प्रक्रियाओं के सरलीकरण तथा जिलों में अपनाई जा रही उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों को साझा करने के निर्देश भी दिए। साथ ही आहरण एवं वितरण अधिकारियों तथा अन्य संबंधित कार्मिकों के नियमित प्रशिक्षण और क्षमता विकास कार्यक्रम आयोजित करने पर जोर दिया। साइबर सुरक्षा की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि डिजिटल वित्तीय प्रणालियों में डेटा सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने मजबूत साइबर सुरक्षा प्रोटोकॉल, नियमित सुरक्षा ऑडिट और साइबर खतरों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए। उनका कहना था कि डेटा की सुरक्षा और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए सभी विभागों को जिम्मेदारी के साथ कार्य करना होगा।

वित्त विभाग के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया ने कहा कि आईएफएमएस 3.0 राज्य की वित्तीय व्यवस्था को आधुनिक और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि विभिन्न विभागों और योजनाओं को चरणबद्ध तरीके से डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ा जा रहा है तथा एसएनए स्पर्श सहित कई वित्तीय प्रणालियों का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। वेबिनार में आईएफएमएस 3.0 के विभिन्न मॉड्यूल्स, ट्रेजरी प्रबंधन, राजस्व प्रबंधन, हेल्प डेस्क, सपोर्ट सिस्टम और साइबर सुरक्षा व्यवस्थाओं पर विस्तृत प्रस्तुति भी दी गई।

### आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

**बिजली फॉल्ट के लिए**

| | |
|---|---|
| टोल फ्री नंबर | 18001806507 |
| वॉट्सएप नंबर | 9414037085 |
| कस्टमर केयर | 2203000 |
| आईवीआरएस | 1912 |

**कचरा गाड़ी के लिए**

| | |
|---|---|
| ग्रेटर | 2747400 |
| सीवरेज लीकेज | 2607500 |
| हेरिटेज | 2607500 |
| टोल फ्री नंबर | 14420 |

**पुलिस की मदद के लिए**

| | |
|---|---|
| साइबर क्राइम | 1930/2360094 |
| कंट्रोल रूम | 2388435/36/37/38 |
| ट्रैफिक कंट्रोल रूम | 2565630 |
| चाइल्ड हेल्पलाइन | 1098 |
| महिला हेल्पलाइन | 1090 |
| मुख्यमंत्री पोर्टल | 181 |

**पानी के लिए**

| | |
|---|---|
| जलदाय कार्यालय | 2706624 |
| फायर ब्रिगेड | 2747400 |

**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**

| | |
|---|---|
| एंबुलेंस | 102/108 |
| एसएमएस इमरजेंसी | 2518333 |
| महिला चिकित्सालय | 22610616 |
| जनाना हॉस्पिटल | 22378721 |
| SDMH | 22574189 |
| SMS ब्लड बैंक | 22518222 |
| कल्याण ब्लड बैंक | 22721771 |

**घायल पशुओं के लिए**

| | |
|---|---|
| नगर निगम | 2747400 |
| बर्ड बाइक | 9887345580 |
| हेल्प इन सफरिंग | 8107299711 |
| जनमंच ट्रस्ट | 7230055800 |
| पशु चिकित्सालय | 2747400 |

## ब्रीफ खबरें

# जनसंपर्क अधिकारी सूर्यकांत कुमावत ने किया कार्यभार ग्रहण



चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिले में नवनियुक्त जनसंपर्क अधिकारी सूर्यकांत कुमावत ने सोमवार को सूचना केन्द्र में कार्यग्रहण किया। इस अवसर पर सहायक प्रशासनिक अधिकारी रामचंद्र गोयल ने कार्यभार ग्रहण करवाया। इस दौरान सहायक जनसंपर्क अधिकारी मनीष कुमार, किशन उपाध्याय, कनिष्ठ सहायक प्रदीप कुमार माली, सूचना सहायक अक्षेता फलवारिया, सहायक प्रोग्रामर अभिषेक सरोवा, अध्यापक राहुल स्वामी, अशोक कुमार, दूलीचंद सोनी, संजय गोयल, विजय रक्षक सहित मोहम्मद अली पठान ब्यूरो चीफ रॉयल पत्रिका चूरू ने जनसंपर्क अधिकारी कुमावत का स्वागत करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की।

# रामेश्वर डागुर चिनायटा बने चौबीसा अध्यक्ष



**हनीस शेख**

शेरपुर (रॉयल पत्रिका)। बुधवार को ननुआ पटेल शेरपुर की अध्यक्षता मे जटनंगला में सम्पन्न हुई। जिसमें समाज के विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर चर्चा हुई ।सदन ने एक मत होकर पूर्व कार्यकारिणी के गठन पर असंतोष जाहिर किया। तथा सभी ने समाज को गति देने एवं स्वच्छ व्यक्तित्व को समाज की कमान सौंपने का निर्णय लिया। सदन ने सर्वसम्मति से रामेश्वर डागुर चिनायटा को जाट समाज चौबीसा का अध्यक्ष बनाया गया। कार्यकारिणी में महामंत्री नरेंद्र सिंह डागुर पोछड़ी, कोषाध्यक्ष राधे पटेल हुक्मीखेड़ा, प्रवक्ता उधम सिंह डागुर शेरपुर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय सिंह डागुर तिलंगा ढिंढोरा, उपाध्यक्ष कल्याण सिंह धंधावली, वीर सिंह डागुर छतरीपुरा, मीडिया प्रभारी नाहर सिंह डागुर खीप का पुरा ,चरण सिंह डागुर ढिंढोरा, संगठन मंत्री गोपाल सिंह डागुर खरैटा,पूर्व प्रधान करण सिंह डागुर ढिंढोरा को सर्वसम्मति से नियुक्त किया गया। इस दौरान चौबीसा से रमेश चंद डागुर पूर्व अध्यक्ष जाट समाज चौरासी, भूदेव सिंह खरेटा,रामलाल पोछड़ी धर्मा डागुर छत्रीपुरा, भंगो से रामदयाल, सुमेर खीपकापुरा परसराम रारा शाहपुर, कामराज शेरपुर, मानसिंह खिजुरी, लछमन सोमली, गोपाल सिंह सोमला रात्रा, जगदीश भांकर धांधवली,राकेश ढिंढोरा,कलुआ हुक्मीखेड़ा, रामचरण डागुर पूर्व महामंत्री जाट समाज चौबीसा, विजय सिंह डागुर जिलाध्यक्ष राजस्थान जाट समाज करौली आदि लोग मौजूद रहे।

# जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने किया अफजल खान को सम्मानित



**मोहम्मद अली पठान**

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जयपुर रोड स्थित मदरसा परिसर में इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसायटी द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह में "छात्र-छात्राओं को मोटिवेशन स्पीच देते हुए जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि पहले अच्छे नागरिक बनें" फिर आईएएस, आईपीएस, आरएएस, डॉक्टर, इंजीनियर आदि। जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा समारोह के मुख्य अतिथि पद से बोल रहे थे एवं अध्यक्षता समाज सेवी हाजी याकूब थीम ने की। विशिष्ट अतिथि डॉ. मोहर सिंह डिप्टी डायरेक्टर, श्रीमती अभिलाषा मुकुल भाटी शिक्षाविद, रचना कोठारी, सोसाइटी के अध्यक्ष शौकत अली खान रिटायर्ड एडिशनल कमिश्नर, उपाध्यक्ष अयूब खान रिटायर्ड एडिशनल एसपी, महासचिव डॉ. एफ एच गोरी सीनियर फिजिशियन ने छात्र अफजल खान पुत्र सिकन्दर खान जोईया को सम्मानित किया गया। छात्र दसवीं में टॉप रहा हैं। कार्यक्रम में साथ में आए छात्र के दादा आर्मी मैन रिटायर्ड आमीन खान जोईया ने कहा कि बच्चों की मेहनत और योग्यता का फल है कि आज बच्चे उच्च संस्थानों से जिला कलेक्टर द्वारा सम्मानित हो रहे हैं एवं सभी सदस्यों द्वारा प्रतिभाओं का फूल मालाओं से स्वागत किया गया एवं प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। समारोह का सफल संचालन प्रिंसिपल आरिफ खान ने किया। डॉ. एफ एच गोरी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

**सूचना**

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

# भाया के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट घेराव, मुख्यमंत्री के नाम जिला कलक्टर को सौंपा ज्ञापन

## -जन समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन होगा और उग्र:- प्रमोद जैन भाया

**शब्बीर हुसैन**

बारां (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस जिला संगठन महामंत्री कैलाश जैन ने बताया कि बारां जिले में व्याप्त भीषण पेयजल संकट, बदहाल विद्युत व्यवस्था, क्षतिग्रस्त सड़कों, चिकित्सा सेवाओं की अव्यवस्थाओं तथा किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर बुधवार 03 जून को अन्ता विधायक प्रमोद जैन भाया के नेतृत्व में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जिला मुख्यालय पर विशाल धरना-प्रदर्शन कर कलेक्ट्रेट घेराव किया गया। धरने को कई वक्ताओं ने सम्बोधित किया।

धरना कलेक्ट्रेट के सामने स्थित सदर पुलिस थाना परिसर के समीप आयोजित किया गया, जिसमें जिले भर से हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों, किसानों एवं आमजन ने भाग लिया। धरने को संबोधित करते हुए अन्ता विधायक एवं पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया ने कहा कि बारां जिले की जनता आज मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष करने को मजबूर है। भीषण गर्मी में लोग पीने के पानी के लिए भटक रहे हैं, गांवों एवं शहरों में दूषित जलापूर्ति हो रही है, जिले की सड़कें क्षतिग्रस्त है जिनके कारण आए दिन दुर्घटनाएं घटित हो रही है, बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है और किसानों को खाद, बीमा एवं समर्थन मूल्य पर खरीद जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। चिकित्सा व्यवस्था पूरी तरह से लडखडाई हुई है। स्वयं जिला कलक्टर द्वारा जिला चिकित्सालय में निरीक्षण के दौरान अवधिपार दवाईयां देखी गई। भाया ने कहा कि मुख्यमंत्री ने स्वयं अन्ता विधानासभा उप चुनाव के दौरान बारां जिले की समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया था, लेकिन हालात सुधरने के बजाय और अधिक खराब हो गए हैं।

भाया ने कहा कि धरना स्थल पर आज सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जब तक जन समस्याओं का समाधान नही होगा तब तक प्रत्येक 8 दिन में अलग-अलग ब्लॉक स्तर पर धरना दिया जाकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया जावेगा। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हंसराज मीणा ने कहा कि बारां जिले के नागरिक लंबे समय से अपनी समस्याओं के समाधान की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार एवं प्रशासन की उदासीनता के कारण जनता का धैर्य जवाब दे चुका है।

जिला प्रमुख श्रीमती उर्मिला जैन भाया ने कहा कि महिलाओं और बच्चों को पानी की व्यवस्था के लिए घंटों परेशान होना पड़ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति भी अत्यंत चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि सरकार को जनहित के मुद्दों पर संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल प्रभाव से




राहतकारी कदम उठाने चाहिए। पूर्व विधायक अटरू पानाचन्द मेघवाल ने कहा कि किसानों को अतिवृष्टि एवं प्राकृतिक आपदाओं से हुए नुकसान का पर्याप्त मुआवजा नहीं मिला है। बड़ी संख्या में किसान आज भी बीमा दावों और राहत राशि से वंचित हैं। उन्होंने मांग की कि सभी पात्र किसानों को तत्काल मुआवजा एवं बीमा राशि का भुगतान किया जाए तथा खरीफ सीजन से पूर्व डीएपी एवं यूरिया खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। धरने को पूर्व विधायक छबड़ा करण सिंह राठौड़ ओर किशनगंज की पूर्व विधायक निर्मला सहरिया ने भी संबोधित किया।

धरने के उपरांत हजारों की संख्या में कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं, किसानों एवं आमजन का विशाल हुजूम जिला कलक्टर कार्यालय पहुंचा, जहां मुख्यमंत्री के नाम जिला कलक्टर को विस्तृत ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में पेयजल संकट के समाधान, खराब हैंडपंपों की मरम्मत, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, स्मार्ट मीटर लगाने की जबरन कार्रवाई पर रोक, क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत, चिकित्सा व्यवस्थाओं में सुधार, रिक्त पदों की भर्ती, किसानों को मुआवजा एवं बीमा राशि का भुगतान, डीएपी-यूरिया की उपलब्धता तथा समर्थन मूल्य पर खरीद पुनः प्रारंभ करने सहित विभिन्न मांगें रखी गईं।

**यह रहे उपस्थित :-**

जिला कलक्टर कार्यालय पर आयोजित धरना कार्यक्रम में पीसीसी सचिव धर्मराज मेहरा, बारां जिला सह प्रभारी संदीप पुरोहित, पूर्व जिलाध्यक्ष रामचरण मीणा, झालावाड जिलाध्यक्ष विरेन्द्र सिंह गुर्जर, अन्ता विधानसभा प्रभारी मेघराम मीणा, पीसीसी सदस्य चन्द्रप्रकाश मीणा घोडीगांव, हंसराज मीणा बामली, अय्यूब खान बालदडा, डग विधानसभा प्रत्याषी चेतराज गहलोत, भारत भूषण सक्सेना, प्रदेश महासचिव महिला कांग्रेस प्रियंका नन्दवाना, सेवादल के प्रदेष सचिव, अशरफ देषवाली, सेवादल जिलाध्यक्ष शिवशंकर यादव, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष कशिश धाकड, एससी प्रकोष्ठ के हाडौती संभाग अध्यक्ष सत्यनारायण भूमल्या, एससी प्रकोष्ठ महिला जिलाध्यक्ष शिमला बैरवा, महिला जिलाध्यक्ष बृजेश वर्मा, हाजी नासिर मिर्ज़ा प्रदेश संयोजक अल्पसंख्यक विभाग, ब्लॉक अध्यक्ष-सिद्धार्थ नागर बारां, धर्मेन्द्र यादव शाहबाद, अजीज नाजा किषनगंज, नगर अध्यक्ष प्रषान्त भारद्वाज बारां, ललित गालव अन्ता, नरेष जैन सीसवाली, जिला कांग्रेस महासचिव हाजी अब्दुल गनी, पूर्व जिला उपाध्यक्ष जाकिर मंसूरी, प्रदीप काबरा, पूर्व प्रधान रमेष फौजी, सेवाराम मीणा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष रेवती रमण गेरा, कानसिंह चैधरी, प्रधान प्रतिनिधि महावीर बैरवा, लालसिंह मारन, डॉ. इजहार सीमा मांगरोल, बाबूलाल टाटू, परमानन्द मीणा, द्वारकालाल नागर, बृजराज मीणा, हीरालाल मीणा, सय्यद महफूज अली, कस्तूरचंद नागर, यदुराज सिंह नागदा, तोलाराम मीणा, रामदयाल लोधा, नरेन्द्र मीणा, शरद शर्मा, अंकुर सक्सेना, सोनू शर्मा, दीपक त्यागी, षिवराज सिंह, लखन मीणा, सुरेषचंद भाण्ड, हरिश माहेष्वरी, गोविन्द सोनी दरबार, मनोज त्यागी अन्ता, केकेसी के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहम्मद रिजवान खान बालदडा, हाजी लियाकत अली मेव, पूर्व चेयरमैन मुस्तफा खान, सावित्री शाक्यवाल, संध्या जाडेजा, हेमलता सोन, सीता नागर, मीना, पूजा चंदेल, निधि चंदेल, मीराबाई, कौषल सुमन मांगरोल, कौषल राठौर केलवाडा, सुनील नागर बामला, गिरिराज नागर सरपंच संघ अध्यक्ष, देवीशंकर मालव रातडिया, शेरू खान अंता, अनिल सेन, रानी यादव, कमलाबाई, हेमराज, जसराज नागर, ओमप्रकाष, बलबीर सिंह, रोहित गुर्जर, षिवचरण मेहता, सोहेल मांगरोल, शहादत हुसैन, युसूफ मोहम्मद, डॉ. नफीस कुरेषी, आलम मंसूरी, केषरीसिंह राठौड, हरिराम मीणा, गौरीषंकर, दुर्गादान सिंह, दीपक त्यागी, वसीफ अहमद, जुनेद खान, शंभूसिंह छबडा, हेमराज मेघवाल, मेघराज बिलोटिया, विनय मालव, लोकेष नागर, नरेन्द्र सिंह मेवाडा, नवीन उपाध्याय, शफी मोहम्मद, पंकज नन्दवाना, आसिफ पठान, देवकिषन गुर्जर, पूरणमल नागर सहित हजारों की संख्या में कांग्रेसजन, किसान एवं आमजन उपस्थित रहे।

# अग्रवाल महिला जिला संगठन इकाई द्वारा कच्ची बस्तियों में जरूरतमंद एवं गरीब परिवारों को भोजन के पैकेट वितरित किए



बारां (रॉयल पत्रिका) । अखिल भारतीय अग्रवाल महिला जिला संगठन इकाई बारां द्वारा मानव सेवा के कार्य निरंतर किए जा रहे हैं। जिला अध्यक्षा नीतू गुप्ता के नेतृत्व में संगठन की महिलाओं ने शहर की विभिन्न कच्ची बस्तियों में पहुंचकर जरूरतमंद एवं गरीब परिवारों को भोजन के पैकेट वितरित किए। जिला अध्यक्षा नीतू गुप्ता ने बताया कि संगठन का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाना है। सेवा कार्यों की इसी श्रृंखला में कच्ची बस्तियों में जाकर भोजन के पैकेट वितरित किए गए, ताकि जरूरतमंद परिवारों को भोजन उपलब्ध हो सके। महामंत्री मधु गोयल ने बताया कि पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर सेवा एवं पुण्य कार्यों का विशेष महत्व है। इसी भावना के साथ संगठन द्वारा कच्ची बस्तियों में जाकर मालपुए, पूड़ी एवं आलू की सब्जी के भोजन पैकेट वितरित किए गए। संगठन की महिलाओं ने स्वयं उपस्थित रहकर सेवा कार्य को संपन्न किया। इस सेवा कार्य में संगठन की सक्रिय सदस्या सुशीला बंसल का विशेष सहयोग एवं सराहनीय योगदान रहा। उनके सहयोग से भोजन पैकेट वितरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। संगठन ने उनके सेवा भाव एवं समर्पण की प्रशंसा की। इस अवसर पर शीला सिंगल (नमक वाली), अनीता मंगल, श्वेता अग्रवाल, आशा गोयल, कोषाध्यक्ष बबली अग्रवाल, रजनी गोयल, अर्चना गुप्ता, चंचल मित्तल एवं चंदा सिंगल भी उपस्थित रहीं। संगठन की पदाधिकारियों ने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है तथा भविष्य में भी इसी प्रकार के सेवा कार्य निरंतर जारी रहेंगे। जरूरतमंद परिवारों ने संगठन के इस सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया।

# वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

**शफीक अली**

महवा (रॉयल पत्रिका)। वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत स्तर पर जल संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन विषयक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों, कृषकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान में महवा मंडल अध्यक्ष भगवान सहाय तिवाड़ी जिला सहसंयोजक घनश्याम मीना एवं विधानसभा सह संयोजक हेमेंद्र तिवाड़ी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों एवं किसानों को जल स्रोतों के संरक्षण, वर्षा जल संचयन तथा जल के विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति जागरूक किया। वक्ताओं ने कहा कि जल ही जीवन का आधार है और आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों का संरक्षण करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में कृषि विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे, जिनमें सहायक कृषि अधिकारी महवा टोडरमल गुर्जर, कृषि पर्यवेक्षक गौरव सिंह, बाबूलाल मीणा, कृपा सिंह, मुरारी लाल, रामनारायण, दुलाराम, लक्ष्मण सिंह एवं हरिकिशन शामिल रहे। बैठक के दौरान किसानों को जल संरक्षण आधारित कृषि तकनीकों, सूक्ष्म सिंचाई पद्धतियों तथा भू-जल स्तर को बनाए रखने के उपायों की जानकारी दी गई। उपस्थित ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों एवं कृषकों ने जल संरक्षण अभियान को घर-घर तक पहुंचाने तथा जल बचाने के लिए सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन जल संरक्षण की शपथ के साथ हुआ।



# वंदे गंगा अभियान के तहत मीडिया राउंड टेबल कार्यशाला का आयोजन

## -जल संरक्षण के लिए जन जागरूकता में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा

**शब्बीर हुसैन**

बारां(रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में संचालित वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जिले में बुधवार को मीडिया राउंड टेबल कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जिले में जल संरक्षण एवं संग्रहण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी पत्रकारों के माध्यम से आमजन तक पहुंचाना है। जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा के निर्देशन में कार्यशाला की शुरुआत कोटा रोड स्थित निजी रेस्टोरेंट में मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई। दीप प्रज्वलन सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सहायक निदेशक योगेन्द्र शर्मा एवं वरिष्ठ पत्रकारों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। सहायक निदेशक शर्मा ने अभियान की रूपरेखा, उद्देश्यों एवं जिले में चल रही गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह अभियान जन-भागीदारी से जल के सतत संरक्षण की दिशा में राज्य सरकार का ठोस प्रयास है। जल ग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग के अधीक्षण अभियंता मनोज पूरबगोला ने पीपीटी के माध्यम से बताया कि जिले में अमृत सरोवर, एनीकट, तलाई, मॉडल तालाब, मेड निर्माण तथा चारागाह भूमि पर पौधारोपण जैसे कार्य प्रतिबद्धता से किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभियान में 'जन' शब्द महत्वपूर्ण है - जल संरक्षण सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। जिला परिषद के एसीईओ ने ग्राम पंचायत स्तर पर संरचनात्मक विकास एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों की जानकारी दी। कार्यशाला में पत्रकारों, अधिकारियों ने योजनाओं, चुनौतियों व अनुभव साझा किए। मीडिया द्वारा निगरानी व पारदर्शिता पर प्रश्न पूछे गए, जिनका अधिकारियों ने संतोषजनक उत्तर दिया। अंत में जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। समापन पर मीडिया की भूमिका को जनहित का महाअभियान बताते हुए बल दिया गया कि जल ही जीवन है और इसकी रक्षा हेतु शासन-प्रशासन-समाज को मिलकर कार्य करना होगा।



# रेहान अहमद ने राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीतकर जिले का नाम रोशन किया



बारां (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान आर्म रेसलिंग एसोसिएशन एवं पीपुल्स आर्म रेसलिंग फेडरेशन के संयुक्त तत्वावधान में हनुमानगढ़ में राज्यस्तरीय आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई थी, जिसमे बारां ज़िले के प्रतियोगियों ने उत्कर्ष प्रदर्शन कर कुल छ स्वर्ण पदक जीते थे। इसी क्रम में रेहान अहमद ने भी गोल्ड जीतकर 55 किलोग्राम वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया और राष्ट्रीय स्तर पर चयनित हुआ। हाल ही में 29 मई 2026 को पीपुल्स आर्म रेसलिंग फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के तत्वावधान में गांधी नगर गुजरात में चौथी राष्ट्रीय आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप का आयोजन हुआ जिसमें बारां जिले के एक मात्र खिलाड़ी रेहान अहमद ने राष्ट्रीय स्तर पर बारां ज़िले का पहला गोल्ड मेडल जीतकर जिले का नाम गौरवान्वित किया। आर्म रेसलिंग फेडरेशन के बारां जिले के अध्यक्ष यतीश शर्मा द्वारा रेहान अहमद को सम्मानित किया और गोल्ड मेडल जीतने पर बधाई दी। बारां स्थित गुरु एनवी फिटनेस सेंटर के डायरेक्टर नवीन मीणा ने बताया कि रेहान अहमद ने हमारे जिम में प्रशिक्षण प्राप्त किया। रियान को राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल मिलने से खिलाड़ियों में हर्ष की लहर है। आज बारां पहुँचने पर साथी खिलाड़ियों ने और जिम के प्रशिक्षकों ने फूल मालाओं ढोल नगाड़ों से रेहान का भव्य स्वागत किया।

# मोहम्मद रफीक खान उप निरीक्षक राजस्थान पुलिस कमिश्नरेट का सेवानिवृत्ति पर सम्मान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय वार्ड संख्या 24 के रहने वाले सब इंस्पेक्टर मोहम्मद रफीक खान राजस्थान पुलिस कमिश्नरेट से सेवानिवृत हुए आपके पिता स्वर्गीय मुमताज खान दिलावर खानी पुलिस विभाग में इंस्पेक्टर थे। आपने शुरुआती सेवाएं पाली जिला एवं बाद में जयपुर राजस्थान पुलिस कमिश्नरेट में सेवाए देकर सेवानिवृत हुए आपकी सेवानिवृत्ति पर पुलिस विभाग द्वारा एवं समाज द्वारा आपको सम्मान दिया गया आप हमेशा कर्तव्य की राह पर चलते हुए आपने जीवन के सुनहरे वर्ष देश और समाज की सुरक्षा में समर्पित कर दिए। खाकी वर्दी का यह सफर आपकी ईमानदारी, बहादुरी और अटूट सेवा का प्रतीक है। आज सेवा-निवृत्ति के इस पड़ाव पर, आपकी नई पारी के लिए हार्दिक शुभकामनाएं। आपका यह नया सफर सुखद, स्वस्थ और मंगलमय हो!

राजस्थान पुलिस कमिश्नरेट में आपकी लंबी और गौरवशाली सेवा का आज समापन हो रहा है। आपने सदैव पूरी निष्ठा, अद्वितीय साहस और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। कानून-व्यवस्था बनाए रखने और जनता को सुरक्षित महसूस कराने में आपका योगदान अत्यंत सराहनीय रहा है। आपकी कर्तव्यपरायणता और ईमानदारी विभाग के युवा पुलिसकर्मियों के लिए हमेशा एक मार्गदर्शक और प्रेरणापुंज बनी रहेगी। आज पुलिस की इस चुनौतीपूर्ण वर्दी को उतारते समय आपका सीना गर्व से चौड़ा होना चाहिए। हम आपके द्वारा दी गई उत्कृष्ट सेवाओं के लिए आपके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। आपके जीवन की इस नई पारी और सेवानिवृत्त जीवन के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं। ईश्वर से प्रार्थना है कि आपका आगे का समय पूर्णतः स्वस्थ, खुशहाल, दीर्घायु और शांतिपूर्ण हो। आपके परिवार को भी इस गौरवमयी यात्रा में आपका संबल बनने के लिए साधुवाद। समझ में काफी संख्या में प्रशासनिक अधिकारी का एवं समाजसेवी, संस्थाओं के प्रतिनिधि, रिश्तेदार एवं श्री ओम दास महाराज सांगलिया, पीर निसार खान बिसाऊ, विधायक हाकम अली खान फतेहपुर, सिकंदर खान, अमजद खान, हाजी महफूज खान, बरकत खान सूरतगढ़, युथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष आसिफ खान, एडवोकेट यूनुस खान आदि काफी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित रहे।



# सुमेरपुर में सड़कों का जाल होगा मजबूत, 13 सड़कों के लिए ₹17.50 करोड़ स्वीकृत

**मोहम्मद यासीन**

सुमेरपुर/पाली, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार ने प्रदेश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सड़क तंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अनुशंसा पर सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने वर्ष 2026-27 की बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन को गति देते हुए पाली जिले के सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए वित्तीय स्वीकृति जारी कर दी है। विभाग के संयुक्त सचिव (पथ) पंकज आर्य ने सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र में 13 नॉन-पेचेबल (पूरी तरह क्षतिग्रस्त) सड़कों के नए सिरे से निर्माण के लिए 17.50 करोड़ रुपए की सैद्धांतिक सहमति प्रदान की है।

**31 किलोमीटर से अधिक लंबा सड़क नेटवर्क होगा तैयार:-**

स्थानीय विधायक और पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि इस बजट राशि से सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों और ढाणियों को जोड़ने वाली कुल 31.70 किलोमीटर लंबी सड़कों का पुनर्निर्माण किया जाएगा। इसके तहत पराखिया से बिरोलिया, दोलपुरा से खिमाड़ा, खिमाड़ा से राइकों की ढाणी, चाणोद से सिरवी घाट तक, जैतपुरा से डिंगाई तक, सापुनी खैरवा सड़क से मारू कुमावतों की ढाणी, मणिहारी से आशापुरा माता गोरी भाकरी वाला तक, भालेलाव से रीको तक, सापा से डीपीएस स्कूल तक, बल्दों की ढाणी से गाजनगढ तक, पाली खैरवा सड़क किमी. 11 से गुर्जरों की ढाणी तक, सोवनिया से हाईवे तक तथा डिंगाई से गुड़ा सोनीगरा तक नॉन पेचेबल सड़क का निर्माण किया जाएगा। ये वे सड़कें हैं जो लंबे समय से जर्जर अवस्था में थीं और पेचवर्क (पैच रिपेयरिंग) के जरिए ठीक होने की स्थिति में नहीं थीं। नई सड़कों के बनने से क्षेत्र में परिवहन सुगम होगा, वाहनों के रखरखाव



का खर्च घटेगा और स्थानीय व्यापार को गति मिलेगी।

**विकास की नई राह पर आगे बढ़ेगा सुमेरपुर : मंत्री कुमावत**

मंत्री कुमावत ने इस महत्वपूर्ण स्वीकृति पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने क्षेत्र की जनता की ओर से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और सार्वजनिक निर्माण विभाग की मंत्री व उप-मुख्यमंत्री दीया कुमारी का विशेष आभार व्यक्त किया। मंत्री कुमावत ने कहा कि "यह सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र की देवतुल्य जनता के सब्र और हमारे सेवा संकल्प की बड़ी जीत है। चक्रवात 'बिपरजॉय' जैसी भयानक प्राकृतिक आपदा के समय हमारे इलाके की सड़कें पूरी तरह तहस-नहस हो गई थीं। ग्रामीणों का आवागमन ठप हो गया था, लेकिन अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण रहा कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने ग्रामीणों की इस गंभीर समस्या पर कोई ध्यान नहीं दिया। उन्होंने जनता को उनके हाल पर छोड़ दिया और राजनीतिक उदासीनता के कारण लोग सालों तक जर्जर सड़कों पर चलने को मजबूर रहे। मगर आज प्रदेश में डबल इंजन की सरकार है। हमारे संवेदनशील मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी ने ग्रामीणों की इस तकलीफ को न सिर्फ समझा, बल्कि इसे प्रमुखता से लेते हुए तुरंत निस्तारण किया है। अब क्षेत्र में 31.70 किलोमीटर का मजबूत सड़क तंत्र बनेगा, जिससे बिपरजॉय के घाव पूरी तरह भर जाएंगे और हमारा सुमेरपुर विकास की नई राह पर आगे बढ़ेगा।

**ग्रामीणों में खुशी की लहर, विधायक का जताया आभार:-**

विधानसभा क्षेत्र में एक साथ 13 सड़कों के पुनर्निर्माण के लिए राशि स्वीकृत होने पर स्थानीय ग्रामीण जनप्रतिनिधि पार्टी, पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने अपने लोकप्रिय विधायक और विकास पुरुष कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत का आभार जताया है। ग्रामीणों ने कहा कि स्थानीय विधायक कुमावत ने आमजन की इस पीड़ा को समझा और जयपुर स्तर पर लगातार मजबूत पैरवी करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से इस बड़ी राहत को मंजूरी दिलवाई। ग्रामीणों का कहना है कि मंत्री कुमावत ने चुनाव के समय किया अपना वादा निभाकर यह साबित कर दिया है कि वे जनता की तकलीफों के प्रति कितने गंभीर हैं। बरसों पुराना यह सड़क संकट दूर होने से अब क्षेत्र के किसानों, व्यापारियों और आमजन के विकास को नई रफ्तार मिलेगी।

## ब्रीफ खबरें

### श्रीगंगानगर में 4 गैस एजेंसियों पर औचक निरीक्षण अभियान

***-जांच में 3 गैस एजेंसियों द्वारा 250 ग्राम से 350 ग्राम गैस कम मिली***



श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। माननीय मंत्री सुमित गोदारा (उपभोक्ता मामले विभाग) के निर्देशानुसार विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 तथा राजस्थान विधिक माप विज्ञान (प्रवर्तन) नियम, 2011 के तहत श्रीगंगानगर जिले में गैस एजेंसियों के विरुद्ध एक व्यापक औचक निरीक्षण अभियान संचालित किया गया। इस अभियान के अंतर्गत गठित विभागीय जांच दल विधिक माप विज्ञान अधिकारी सुरेश कुमार तथा दीपक पूनिया के नेतृत्व में जिला गंगानगर में कुल 4 गैस एजेंसियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सहारण भारत गैस ग्रामीण वितरक,फंडा भारत गैस, जय बजरंग बली गैस सर्विस सूरतगढ़ पर कुल 8 सिलेंडरों का 250 ग्राम से 350 ग्राम तोल कम पाया गया। तीनों गैस एजेंसियों पर कुल 8 सिलेंडरों को जब्त कर कुल ग्यारह हजार रुपयों का जुर्माना लगाया गया। जबकि सूरतगढ़ गैस सर्विस पर सभी कांटे सत्यापित तथा सिलेंडर में सही तौल पाया गया। राज्य सरकार के निर्देशानुसार आगामी दिनों में सम्पूर्ण राजस्थान में गैस एजेंसियों की नियमित जांच जारी रहेगी तथा दोषी पाए जाने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा करना तथा आमजन को सही माप-तौल के साथ गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुनिश्चित कराना है।

# 30 दिवसीय नि:शुल्क महिला सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

***-25 ग्रामीण महिलाओं को प्रदान किए गए प्रमाण पत्र, स्वरोजगार से जुड़ने के लिए किया प्रेरित***

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार एवं अग्रणी बैंक बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा संचालित बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान (आरसेटी) में आयोजित 30 दिवसीय निःशुल्क महिला सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का सोमवार को समापन हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के विभिन्न ब्लॉकों एवं ग्राम पंचायतों से आई 25 ग्रामीण महिला प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण पूर्ण होने पर प्रमाण पत्र वितरित किए गए। समापन कार्यक्रम में अग्रणी जिला प्रबंधक प्रदीप कुमार मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान निदेशक नीरज कुमार गोपालिया ने की तथा कार्यक्रम समन्वयक राजेन्द्र कुमार बैरवा उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को कौशल विकास के माध्यम से




आत्मनिर्भर बनाकर स्वरोजगार से जोड़ना है। उन्होंने महिलाओं को स्वयं का रोजगार प्रारंभ कर आर्थिक रूप से सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर महिलाओं को बैंकिंग सेवाओं एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। प्रशिक्षणार्थियों को पीपीएफ, सुकन्या समृद्धि योजना, एनपीएस, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना एवं मुद्रा योजना सहित विभिन्न योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। संस्थान निदेशक ने बताया कि बड़ौदा आरसेटी द्वारा ग्रामीण बेरोजगार युवाओं एवं महिलाओं को निशुल्क आवासीय कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध करवाकर स्वरोजगार से जोड़ा जा रहा है। आगामी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सॉफ्ट टॉय निर्माण, आर्टिफिशियल ज्वेलरी निर्माण, डेयरी फार्मिंग, वर्मी कम्पोस्ट, अगरबत्ती निर्माण एवं सिलाई मशीन प्रशिक्षण शामिल हैं, जिनके लिए निःशुल्क पंजीकरण जारी है।

# विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में जागरूकता एवं जनभागीदारी आधारित कार्यक्रमों का आयोजन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के माय भारत केंद्र के मार्गनिर्देशन में ग्राम बहतेड पंचायत समिति मलारना डूंगर में जागरूकता एवं जनभागीदारी आधारित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन युवा मंडल अध्यक्ष एवं माय भारत वॉलंटियर शिफाअत खान के नेतृत्व में उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम के तहत युवाओं एवं ग्रामीणों की सहभागिता से साइकिल रैली निकाली गई, जिसका उद्देश्य स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना तथा युवाओं को फिट इंडिया अभियान से जोड़ना रहा। रैली में युवाओं, विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों ने भाग लेकर "स्वस्थ युवा-सशक्त भारत" का संदेश दिया। इसी के साथ प्रधानमंत्री की प्रेरणा से माय भारत पोर्टल पर आयोजित नेशन फर्स्ट चैलेंज कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन भी किया गया। युवाओं से प्रधानमंत्री के नेशन फर्स्ट संदेश को जन जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर "फिट इंडिया शपथ" कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित सभी युवाओं एवं प्रतिभागियों ने नियमित व्यायाम, फिटनेस एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। साथ ही "वंदे गंगा जल संरक्षण शपथ" के माध्यम से जल बचाने, जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने एवं वर्षा जल संरक्षण हेतु जनजागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं ने फिट इंडिया, जल संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा एवं स्वच्छता विषयों पर आकर्षक चित्र बनाकर अपनी




प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को मेडल एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में प्रतिभागियों के उत्साह एवं रचनात्मकता की सराहना की गई। इसी के साथ समस्त युवाओं को माय भारत कैप्स भी वितरित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजकीय विद्यालय के प्रधानाध्यापक हारुन खान ने कहा कि साइकिल चलाना न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने बताया कि माय भारत के माध्यम से युवाओं को सामाजिक सरोकारों, राष्ट्र निर्माण एवं जनजागरूकता अभियानों से जोड़ने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। कार्यक्रम का समापन दौरान शाहबाज हाजी ने राष्ट्रहित, जल संरक्षण एवं स्वस्थ भारत के संकल्प के साथ किया गया। ग्रामीणों एवं युवाओं ने भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी अभियानों में सक्रिय भागीदारी निभाने का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम के आयोजन में माय भारत युवा मंडल बेहतेड के सदस्य शाहरुख, सलमान, मोनिश ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

### अभियान उमंग-7 की सफलता के लिए पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रेय ने रणनीतिक बैठक ली



**शादाब अली**

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला पुलिस अधीक्षक सुश्री ज्येष्ठा मैत्रेयी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय सिंह व अन्य अधिकारी बैठक में मौजूद रहे जिसमें बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा, बालश्रम की पूर्ण रोकथाम और बाल तस्करी जैसी गंभीर सामाजिक बुराइयों को जड़ से मिटाने के लिए पुलिस मुख्यालय राजस्थान के निर्देशानुसार 1 जून 2026 से 30 जून 2026 तक राज्यव्यापी विशेष अभियान 'उमंग-VII' (उमंग-7) का आगाज हो चुका है। इसी कड़ी में जिला पुलिस अधीक्षक सुश्री ज्येष्ठा मैत्रेयी के कुशल सुपरविजन में एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बैठक का आयोजन किया गया। इस उच्च स्तरीय बैठक का संचालन विजय सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय और सतीष वर्मा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं प्रभारी SIUCAW (स्पेशल जुवेनाइल पुलिस यूनिट/एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट) द्वारा किया गया। बैठक में मानव तस्करी विरोधी यूनिट के स.मा. सैयद अन्सार अली सहित विशेष टीमों, अभियान से जुड़े बाल कल्याण पुलिस अधिकारियों के अलावा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, बाल अधिकारिता विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, श्रम विभाग, बाल कल्याण समिति, चिल्ड्रन होम, शेल्टर होम तथा विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों (NGOs) के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिन्हें अभियान को सफल बनाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

### वंदे गंगा अभियान को जनआंदोलन बनाने पर जोर, कलक्टर ने दिए सख्त निर्देश



अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने मंगलवार को वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए आमजन की भागीदारी बढ़ाना बेहद जरूरी है। कलक्टर ने कहा कि अभियान के तहत सभी जल स्रोतों पर जनसहयोग से श्रमदान कराया जाए तथा स्थानीय भामाशाहों को भी आर्थिक सहयोग के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को फील्ड में रहकर कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0 के तहत अधिकतम कार्य पूर्ण करने और मनरेगा में प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन (एनआरएम) गतिविधियों को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया। उन्होंने ग्राम पंचायत स्तर पर मैजिक पिट, सोक पिट और रिचार्ज शाफ्ट निर्माण की संख्या बढ़ाने के निर्देश देते हुए कहा कि आगामी तीन दिनों में अधिक से अधिक गतिविधियां आयोजित कर उन्हें पोर्टल पर अपलोड किया जाए। किसी भी गतिविधि का रिकॉर्ड अधूरा नहीं रहना चाहिए। बैठक में "हरियालो राजस्थान" अभियान की भी समीक्षा की गई। कलक्टर ने बताया कि जिले में 35 लाख से अधिक पौधारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए फेंसिंग और गड्ढों की तैयारी जून माह में पूरी करने के निर्देश दिए गए, ताकि एक जुलाई से पौधारोपण कार्य शुरू किया जा सके। वन विभाग की नर्सरियों से 19.40 लाख से अधिक पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे।

इसके अलावा दादू दयाल घुमंतू सशक्तिकरण योजना, पट्टा आवंटन अभियान, एचपीवी टीकाकरण और जनगणना कार्यों की भी समीक्षा की गई। उन्होंने 5 जून को सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभा आयोजित कर जल जीवन मिशन के कार्यों का सत्यापन और नल जल मित्रों का चयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राम प्रकाश सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

### वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026

# मीडिया राउण्ड टेबल कार्यशाला आयोजित, जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने पर जोर

***-जलग्रहण, जल संसाधन एवं वन विभाग के अधिकारियों ने साझा की अभियान की प्रगति***

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार की ओर से पूरे राजस्थान में 25 मई से शुरू हुए "वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026" के तहत बुधवार को जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग तथा सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के संयुक्त तत्वावधान में स्थानीय मीडिया प्रतिनिधियों के साथ राउण्ड टेबल कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला में जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, पर्यावरण संरक्षण एवं विभागीय गतिविधियों की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यशाला में जलग्रहण विकास विभाग के अधीक्षण अभियंता संजय माथुर, सहायक वन संरक्षक मनीषा शर्मा तथा जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने अभियान के तहत संचालित गतिविधियों एवं विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी साझा की।

**वैज्ञानिक तकनीकों से हो रही जल संरक्षण की प्लानिंग:-**

अधीक्षण अभियंता संजय माथुर ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा "वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान" के माध्यम से वर्षा जल संग्रहण, भू-जल पुनर्भरण एवं जल संरक्षण संरचनाओं के विकास को जन अभियान का स्वरूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान के तहत जलग्रहण क्षेत्रों का चयन अब जीआईएस एवं हाइड्रोलॉजिकल आधारित वैज्ञानिक तकनीकों से किया जा रहा है। इसके माध्यम से क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति, जल प्रवाह, ढलान, भूमि उपयोग एवं जल आवश्यकता का आंकलन कर भू-जल



स्तर बढ़ाने के लिए योजनाएं तैयार की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि जिले में वाटरशेड, जल संसाधन, वन, पंचायतीराज, ग्रामीण विकास एवं भू-जल विभाग सहित विभिन्न विभाग समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं। अभियान के दौरान जल स्रोतों की साफ-सफाई, डी-सिल्टिंग, फार्म पॉण्ड, चेक डैम, रूफटॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग, रिचार्ज शाफ्ट एवं सोख्ता गड्ढों जैसी संरचनाओं के निर्माण पर विशेष फोकस किया जा रहा है।

**जिले में 52 हजार 596 से अधिक गतिविधियां आयोजित:-**

संजय माथुर ने बताया कि 25 मई से 2 जून तक जिले में 52 हजार 596 से अधिक गतिविधियां आयोजित की गई हैं, जिसके चलते सवाई माधोपुर जिला प्रदेश में शीर्ष जिलों में शामिल रहा है। जिले में अब तक लगभग 5.79 लाख जिलेवासियों की सहभागिता रही। अभियान के दौरान 6 हजार 605 से अधिक स्थानों पर श्रमदान किया गया। उन्होंने बताया कि जिले में 1488 से अधिक जल स्रोतों की साफ-सफाई एवं पुनर्जीवन कार्य किए गए हैं, जबकि 2562 कार्यालयों, अस्पतालों एवं विद्यालयों में स्वच्छता गतिविधियां आयोजित हुई हैं। इसके अतिरिक्त 1022 पूर्ण कार्यों का लोकार्पण एवं अवलोकन तथा 487 नए जल संरक्षण कार्य प्रारंभ किए गए हैं। उन्होंने कहा कि "हरियालो राजस्थान" अभियान के तहत बड़े स्तर पर पौधारोपण एवं जल संरक्षण गतिविधियां आगामी मानसून में संचालित की जाएंगी। इस वर्ष 20 लाख से अधिक पौधे लगाए जाएंगे।

**मीडिया प्रतिनिधियों ने दिए सकारात्मक सुझाव:-**

मीडिया राउण्ड टेबल के दौरान उपस्थित प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया प्रतिनिधियों ने जल संरक्षण गतिविधियों को गांव स्तर तक प्रभावी रूप से पहुंचाने, सफल जल संरक्षण मॉडल एवं प्रेरक कहानियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने, स्कूल-कॉलेज स्तर पर जनजागरूकता गतिविधियां बढ़ाने, परंपरागत जल स्रोतों के संरक्षण को जनसहभागिता से जोड़ने और अन्य जल संरक्षण के उपायों पर सकारात्मक तथा उपयोगी सुझाव दिए। मीडिया प्रतिनिधियों ने अभियान के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों का नियमित फील्ड विजिट करवाने का सुझाव भी रखा। अधिकारियों ने मीडिया प्रतिनिधियों से जल संरक्षण से जुड़े नवाचारों, सफलता की कहानियों एवं जनभागीदारी आधारित प्रयासों को व्यापक स्तर पर प्रचारित करने की अपील की। कार्यशाला के दौरान अभियान से संबंधित जागरूकता पम्पलेट भी वितरित किए गए।

### पीएम स्वनिधि योजना के तहत विशेष कैंप 1 से 30 जून तक, छोटे व्यापारियों को मिलेगा लाभ

**शफीक अली**

महवा (रॉयल पत्रिका)। स्वायत्त शासन विभाग के निर्देशानुसार भारत सरकार एवं राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत नगर पालिका महवा द्वारा विशेष कैंप का आयोजन किया जा रहा है। यह कैंप अंबेडकर भवन में 1 जून से 30 जून 2026 तक प्रतिदिन आयोजित होगा। योजना के तहत छोटे व्यवसाय करने वाले वेंडर्स को 15,000, 25,000 एवं 50,000 रुपये तक का ऋण विभिन्न बैंकों के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए ब्याज में छूट की सुविधा भी दी जाएगी। अधिकारियों के अनुसार 18 से 60 वर्ष आयु वर्ग के वेंडर्स इस योजना का लाभ ले सकते हैं। इच्छुक लाभार्थियों को



आधार कार्ड, बैंक पासबुक एवं आधार से लिंक मोबाइल नंबर के साथ कैंप में उपस्थित होना होगा। नगर पालिका अधिशाषी अधिकारी प्रमोद कुमार शर्मा ने बताया कि यह कैंप प्रतिदिन सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3 बजे तक संचालित रहेगा, जिसमें पात्र वेंडर्स मौके पर ही आवेदन कर सकेंगे आज कैंप में नगर पालिका SBM अभियंता हेमराज बैरवा,बैंक ऑफ बड़ौदा से क्रेडिट ऑफिसर संजना जी ,कंप्यूटर ऑपरेटर अमित कुमार मौजूद रहे।

### रतनगढ़ उपखंड जनगणना अधिकारी मिथिलेश ने किया जनगणना कार्य का निरीक्षण

***-फील्ड कार्मिकों को समय पर कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश***

रतनगढ़ (रॉयल पत्रिका)। प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में जिले में संचालित जनगणना-2027 के प्रथम चरण "मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना" कार्य के तहत बुधवार को रतनगढ़ उपखंड जनगणना अधिकारी मिथिलेश कुमार ने जनगणना कार्य का फील्ड निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गणना कार्य की प्रगति का जायजा लिया तथा फील्ड में कार्यरत कार्मिकों से संवाद कर आने वाली समस्याओं के समाधान हेतु दिशा— निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने जनगणना कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने की बात कही। इसी क्रम में राजलदेसर नगरपालिका क्षेत्र में



जनगणना कार्य की प्रगति की समीक्षा एवं आगामी कार्ययोजना को लेकर चार्ज अधिकारी अक्षय शर्मा ने बैठक में सभी जनगणना सुपरवाइजरों को समुचित निर्देश दिए। फील्ड ट्रेनर नगराज प्रजापत एवं महेश कुमार ने सुपरवाइजरों की ओर से रखी गई समस्याओं का समाधान करते हुए तकनीकी एवं कार्य संबंधी मार्गदर्शन दिया।

# हरीश ठाकुर जी महाराज के श्रीमुख से गूंजी श्रीमद्भागवत कथा की अमृतवाणी

***-मंगल कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव का शुभारंभ, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़***

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर अधिकमास (पुरुषोत्तम मास) के पावन अवसर पर श्री राम मंदिर में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव का शुभारंभ बुधवार को भव्य मंगल कलश यात्रा के साथ हुआ। कथा महोत्सव के अंतर्गत आयोजित इस धार्मिक आयोजन में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अनुपम संगम देखने को मिला। प्रातः गढ़ परिसर स्थित गोपाल मंदिर से निकाली गई मंगल कलश यात्रा में सैंकड़ों की संख्या में महिला श्रद्धालुओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर मंगल कलश धारण कर भाग लिया। भगवान के जयघोष, भजन-कीर्तन और हरिनाम संकीर्तन के बीच यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होकर श्री राम मंदिर पहुंची। यात्रा के उपरांत महिला श्रद्धालुओं एवं उपस्थित भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया। दोपहर 2:15 बजे उपरांत श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। कथा व्यास हरीश ठाकुर जी महाराज ने कथा के प्रथम दिवस भागवत महात्म्य का वर्णन करते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत केवल एक ग्रंथ नहीं, बल्कि भगवान की साक्षात वाङ्मयी मूर्ति है, जिसके श्रवण से जीवन में भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का उदय होता है। कथा के दौरान महाराज श्री ने नारद भक्ति संवाद का मार्मिक वर्णन करते हुए बताया कि कलियुग में भगवान की प्राप्ति का सबसे सरल और प्रभावी साधन भक्ति है। उन्होंने भक्तिभाव, सत्संग और भगवान के नाम-स्मरण की महिमा का विस्तार से वर्णन किया। इसके पश्चात गोकर्ण उपाख्यान का श्रवण कराते हुए उन्होंने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण मनुष्य को पापों से मुक्त कर मोक्ष के मार्ग पर अग्रसर करता है। कथा में वर्णित प्रसंगों के माध्यम से धर्म, सदाचार एवं आध्यात्मिक जीवन के महत्व पर प्रकाश डाला गया। कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और भक्तिभाव से कथा श्रवण कर धर्मलाभ प्राप्त किया। आयोजन समिति के अनुसार कथा महोत्सव 3 जून से 8 जून तक प्रतिदिन दोपहर 2:15 बजे से सायं 6:30 बजे तक आयोजित होगा। वहीं 9 जून को प्रातः 9:15 बजे से समापन दिवस कथा आयोजित किया जाएगी। समापन अवसर पर भव्य महाआरती एवं महाप्रसादी (भंडारा) का आयोजन भी किया जाएगा। हरिप्रेमयों ने समस्त धर्मप्रेमी नागरिकों से कथा श्रवण एवं समापन समारोह में अधिकाधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह किया है।



## प्रेग्नेंसी के बाद होने वाली आलोचना पर खुलकर बोलीं

# कियारा आडवाणी

कियारा आडवाणी ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि किस तरह बच्चे के जन्म के बाद महिलाओं को लेकर समाज की बातचीत का नजरिया पूरी तरह बदल जाता है। बॉलीवुड की 'कबीर सिंह' फेम एक्ट्रेस कियारा आडवाणी अपनी बेबाक और संजीदा सोच के लिए जानी जाती हैं। पिछले साल एक प्यारी सी बेटी को जन्म देने के बाद, कियारा ने मां बनने के इस खूबसूरत सफर के साथ-साथ उस कड़वे सच पर से भी पर्दा उठाया है जिससे देश की हर आम और खास महिला को गुजरना पड़ता है। उन्होंने बच्चे के जन्म के बाद महिलाओं के लुक्स और बढ़े हुए वजन को लेकर समाज के 'टॉक्सिक' (जहरीले) रवैये पर तीखा प्रहार किया है। कियारा ने आगे कहा कि प्रेग्नेंसी के दौरान महिला को एक देवी की तरह ट्रीट किया जाता है, लेकिन असली संघर्ष बच्चे के जन्म के बाद शुरू होता है। उन्होंने समाज को आईना दिखाते हुए कहा, 'बच्चे के जन्म के बाद का समय एक महिला के लिए सबसे मुश्किल होता है, और यही वह वक्त है जब उसे सबसे ज्यादा मानसिक और भावनात्मक सहारे की जरूरत होती है, न कि उसकी बॉडी शेमिंग करने की। 'कियारा ने इस बात पर भी रोशनी डाली कि मां बनने के इस खूबसूरत अहसास ने उनके काम और जिंदगी को देखने के नजरिए को पूरी तरह बदल दिया है। उन्होंने बेहद सकारात्मक अंदाज में कहा, 'मुझे लगता है कि जो डायरेक्टर्स अब मेरे साथ काम करेंगे, उन्हें पर्दे पर मेरा सबसे बेहतरीन रूप देखने को मिलेगा। इस पूरे सफर ने मेरे भीतर, मेरी जिंदगी में और दुनिया को समझने के नजरिए में एक बिल्कुल नया और गहरा पहलू खोल दिया है। ' वर्क फ्रंट की बात करें तो कियारा आडवाणी जल्द ही साउथ के रॉकस्टार यश के साथ बहुप्रतीक्षित फिल्म 'टॉक्सिक - ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' में एक बेहद दमदार किरदार में नजर आने वाली हैं। यह एक पीरियड गैंगस्टर ड्रामा फिल्म है, जिसे नेशनल अवॉर्ड विनर डायरेक्टर गीतू मोहनदास हैंडल कर रही हैं।



## पेट के निचले हिस्से में थोड़ा फैट खराब फिटनेस की निशानी नहीं

# तापसी पन्नू



फिल्म इंडस्ट्री में फिटनेस और खूबसूरती को लेकर अक्सर चर्चा होती रहती है। सोशल मीडिया के दौर में यह दबाव और भी बढ़ गया है, खासकर महिलाओं के बीच फ्लैट पेट और जीरो फिगर को लेकर एक अलग ही होड़ देखने को मिलती है। इसी मुद्दे पर बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू ने खुलकर अपनी बात रखी और कहा कि शरीर का हर हिस्सा किसी न किसी वजह से बना होता है और सिर्फ दिखावे के लिए उसे बदलने की कोशिश करना सही नहीं है। तापसी पन्नू ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया और कहा, 'एक समय ऐसा था जब मैं भी फ्लैट पेट पाना चाहती थी। बचपन से ही मैं फिट थी और रोजाना एक्सरसाइज करती थी, 'अभिनेत्री ने कहा,''बाद में मुझे यह समझ आया कि जरूरत से ज्यादा एक्सरसाइज करना हमेशा फायदेमंद नहीं होता। ऐसे में शरीर खुद को सुरक्षित रखने के लिए पानी जमा करना शुरू कर देता है। कई बार पेट के निचले हिस्से में जो उभार दिखाई देता है, वह सिर्फ फैट नहीं बल्कि पानी रुकने की वजह से भी हो सकता है। महिलाओं के शरीर में हार्मोन लगातार बदलते रहते हैं, जिसका असर शरीर की बनावट पर भी दिखाई देता है। इसलिए यह उम्मीद करना गलत है कि हर दिन शरीर बिल्कुल एक जैसा दिखेगा। कई महिलाएं खुद की तुलना दूसरी लड़कियों या सोशल मीडिया पर दिखने वाली तस्वीरों से करती हैं, जोकि गलत है। हर व्यक्ति का शरीर अपनी अलग जरूरतों और प्रकृति के हिसाब से काम करता है।''तापसी ने अपनी न्यूट्रिशनिस्ट की सलाह का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, ''पेट के निचले हिस्से में थोड़ा फैट और पानी का होना महिलाओं के लिए जरूरी माना जाता है। इसकी वजह यह है कि इसी हिस्से में महिलाओं के प्रजनन अंग होते हैं, जिन्हें सुरक्षा की जरूरत होती है। शरीर प्राकृतिक रूप से इस हिस्से की रक्षा करने के लिए थोड़ी अतिरिक्त परत बनाकर रखता है।



## सलमान खान को कोर्ट में ही जवाब देंगे अमित जानी

फिल्म 'काला हिरणः द बैटल फॉर लेगेसी' को लेकर छिड़ा विवाद लगातार गहराता जा रहा है। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान द्वारा फिल्म के मेकर्स को भेजे गए लीगल नोटिस के बाद अब निर्माता अमित जानी ने खुलकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक न्यूज एजेंसी से बातचीत के दौरान अमित जानी ने कहा कि यदि सलमान खान इस मामले को अदालत तक ले जाना चाहते हैं, तो वह उन्हें कोर्ट में ही जवाब देंगे। उन्होंने दावा किया कि उनकी फिल्म न तो सलमान खान पर आधारित है और न ही गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई पर, बल्कि यह बिश्नोई समाज के उन लोगों की कहानी है, जिन्होंने अपने अधिकारों और न्याय के लिए लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा, 'फिल्म का अभी तक न तो टीजर रिलीज हुआ है और न ही ट्रेलर सामने आया है। जब किसी ने फिल्म देखी ही नहीं है, तो उसके कंटेंट को लेकर आपत्ति कैसे जताई जा सकती है? अगर सलमान खान सीधे उनसे बातचीत करते और फिल्म की कहानी के बारे में पूछते, तो मैं विस्तार से समझा देता कि फिल्म का वास्तविक विषय क्या है। 'निर्माता ने कहा, ''मुझे लगता है कि सलमान खान बिना पूरी जानकारी के इस फिल्म का विरोध कर रहे हैं।

## समर में दिखना है कूल और स्टाइलिश?

# ट्राई करें वामिका गब्बी के ये लुक्स

# हर कोई करेगा तारीफ

समर सीजन में हर लड़की चाहती है कि वो कंफर्टेबल रहने के साथ-साथ स्टाइलिश भी नजर आए। अगर आप भी अपने समर वॉर्डरोब को अपडेट करने का सोच रही हैं, तो वामिका गब्बी के ये शानदार लुक्स आपके लिए परफेक्ट इंस्पिरेशन साबित हो सकते हैं. उनके फैशन चॉइसेज गर्मियों में कूल और ट्रेंडी दिखने के लिए बेहतरीन ऑप्शन हैं। व्हाइट ऑफ-शोल्डर ड्रेस में वामिका गब्बी का अंदाज बेहद स्टाइलिश और फ्रेश लग रहा है। इस आउटफिट का मॉडर्न डिजाइन उनके लुक को खास बना रहा है। कॉलेज फेस्ट, डे आउटिंग या दोस्तों के साथ कैजुअल प्लान के लिए आप इस लुक को आसानी से रीक्रिएट कर सकती हैं। समर सीजन में पार्टी में सबसे अलग और स्टाइलिश दिखना चाहती हैं तो वामिका के इस फैशनेबल लुक से आइडिया ले सकती हैं। ये आउटफिट न सिर्फ ट्रेंडी है, बल्कि आपको एक क्लासी और ग्लैमरस अपील भी देगा। डेनिम जैकेट का ट्रेंड कभी पुराना नहीं होता। वामिका की तरह आप भी क्रॉप टॉप के साथ डेनिम जैकेट को पेयर कर सकती हैं। ये लुक गर्मियों में कंफर्ट और स्टाइल का शानदार कॉम्बिनेशन साबित होगा।बीच वेकेशन के लिए परफेक्ट आउटफिट की तलाश है तो वामिका का ये मरमेड-स्टाइल लुक को देखें। इस ड्रेस में एक्ट्रेस बेहद खूबसूरत और एलिगेंट नजर आ रही हैं। समर हॉलीडे के लिए ये लुक शानदार चॉइस हो सकता है। समर सीजन में कॉलेज इवेंट, ऑफिस पार्टी या किसी खास मौके के लिए हाई-स्लिट ड्रेस एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकती है. वामिका का ये लुक ग्लैमर और एलिगेंस का परफेक्ट मेल है, जिसे आप आसानी से अपने अंदाज में कैरी कर सकती हैं।







## ड्रैगन स्टार एनटीआर के स्क्रिप्ट सेंस की प्रशांत नील ने की जमकर तारीफ



'ड्रैगन' इस समय इंडियन सिनेमा की सबसे मच-अवेटेड फिल्मों में से एक बनकर उभरी है। यह फिल्म 'मैन ऑफ द मासेस' एनटीआर और विजनरी फिल्ममेकर प्रशांत नील को एक साथ लेकर आ रही है, जो बड़े पर्दे पर एक बहुत बड़ा सिनेमैटिक इवेंट होने वाला है। एक बड़े स्केल पर बनाई जा रही यह फिल्म अपने साथ बड़े एक्शन, इंटेंस कहानी और शानदार विजुअल्स का एक ऐसा पैकेज लाने का वादा करती है, जिसे थिएटर में देखने का मजा ही अलग होगा। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म की पहली झलक (फर्स्ट ग्लिम्प्स) ने देश भर में तहलका मचा दिया है और सोशल मीडिया पर फैंस का एक्साइटमेंट सातवें आसमान पर पहुंच गया है। दिलचस्प बात यह है कि यह फिल्म पिछले 5 सालों से डेवलप हो रही है, और एनटीआर ने इसके ड्रामेटिक डेप्थ को निखारने में एक बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। इसी बारे में बात करते हुए डायरेक्टर प्रशांत नील ने कहा, '5 साल। शुरुआत के 3 सालों में मेरे पास राइटर्स नहीं थे, वे उसके बाद ही आए। इस दौरान हीरो (एनटीआर) और मैं अक्सर इस कहानी को लेकर बातें किया करते थे। ड्रामा के मामले में मुझे उन पर पूरा भरोसा है, जब भी मैं उनसे जाकर बात करता हूँ, तो मुझे एक गहरा यकीन होता है। ऐसा इसलिए नहीं है कि मुझे अपने हीरो से सिर्फ अप्रूवल (मंजूरी) चाहिए, बल्कि मैं सच में उन पर बहुत भरोसा करता हूँ। 'उन्होंने आगे जोड़ा, 'मैं आमतौर पर ऐसे ऑडियंस के पास जाता हूँ जिस पर मुझे भरोसा हो, और मेरी खुशकिस्मती है कि एनटीआर इस मामले में बिल्कुल कमाल हैं। उन्होंने इस फिल्म में जो इनपुट्स (सुझाव) दिए हैं, वे बेहद शानदार रहे हैं। मैं उनके साथ काम करके बहुत खुश हूँ, जहाँ हम कहानी के ड्रामेटिक सीन्स को लेकर इतनी खुलकर चर्चा कर सकते हैं। 'जब से इस फिल्म का अनाउंसमेंट हुआ है, तब से इसने बॉक्स ऑफिस और फैंस के बीच एक जबरदस्त बज बना रखा है। सिनेमा के दो इतने बड़े नाम जब एक साथ आ रहे हैं, तो 'ड्रैगन' का सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर बनना तो तय है। प्रशांत नील के डायरेक्शन में बन रही 'ड्रैगन' में एनटीआर लीड रोल में नजर आएंगे। इस मेगा-बजट फिल्म को मइथ्री मूवी मेकर्स और एनटीआर आर्ट्स के बैनर तले बनाया जा रहा है। यह फिल्म कुल 5 भाषाओं में 11 जून 2027 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में एक ग्रैंड रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है।

(साभार एजेंसी)

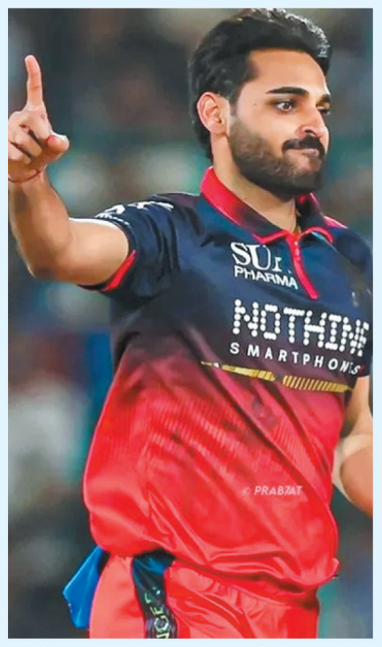
# वैभव सूर्यवंशी बेस्ट ओपनर



## कौन बेस्ट फिनिशर- IPL 2026 के लिए दिग्गज ने किया सर्वश्रेष्ठ पारी, स्पिनर, पेसर, बैटर का चयन

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आईपीएल 2026 के बाद अब क्रिकेट जगत के दिग्गज अपना-अपना विश्लेषण बता रहे हैं। इसी कड़ी में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ओपनर और दिग्गज कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने कई मायनों में बेस्ट खिलाड़ियों का चयन किया है। उन्होंने बेस्ट ओपनर, बेस्ट फिनिशर, बेस्ट पारी, बेस्ट बॉलर समेत कई कैटेगरी में खिलाड़ी चुने हैं। वैभव सूर्यवंशी को बेस्ट ओपनर और राजस्थान के ही एक खिलाड़ी को उन्होंने बेस्ट फिनिशर के तौर पर चुना है। आकाश चोपड़ा ने एक्स हैंडल पर मंगलवार (2 जून 2026) की सुबह एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में उन्होंने आईपीएल 2026 में शानदार खेल दिखाने वाले खिलाड़ियों का अलग-अलग कैटेगरी के आधार पर चयन किया। उन्होंने बेस्ट पारी, बेस्ट ओपनर, बेस्ट बॉलिंग स्पेल, बेस्ट मिडिल ऑर्डर बैटर, बेस्ट फिनिशर, बेस्ट फास्ट बॉलर और बेस्ट स्पिन बॉलर चुने।

- **बेस्ट पारी-** आकाश चोपड़ा ने केएल राहुल की 67 गेंद पर नाबाद 152 रन की पारी को इस सीजन की बेस्ट इनिंग बताया। आईपीएल इतिहास में यह किसी भारतीय खिलाड़ी का सबसे बड़ा स्कोर भी रहा। वह आईपीएल में 150 का आंकड़ा पार करने वाले पहले भारतीय थे। उन्होंने कहा विराट, शुभमन और वैभव की कई पारियां थीं लेकिन बेस्ट पारी राहुल की थी।
- **बेस्ट बॉलिंग स्पेल-** भारतीय दिग्गज ने मोहसिन खान के राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खोले गए पंजे को बेस्ट बॉलिंग स्पेल बताया। उन्होंने कहा कि भुवी और हेजलवुड के भी कई शानदार स्पेल थे, लेकिन पांच विकेट को उन्होंने आईपीएल मैच में तवज्जो दी। लखनऊ सुपर जायंट्स के मोहसिन ने राजस्थान के खिलाफ लीग मैच में 4 ओवर में 23 रन देकर 5 विकेट लिए थे।
- **बेस्ट ओपनर-** वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में 776 रन बनाकर ऑरेंज कैप अपने नाम की। वह पूरे सीजन अपनी बल्लेबाजी से सुर्खियां बटोरते रहे। उन्होंने एक सीजन में रिकॉर्ड 72 छक्के भी लगाए। इसी कारण आकाश चोपड़ा ने बिना किसी सस्पेंस के वैभव को सीजन का बेस्ट ओपनर चुना।
- **बेस्ट मिडिल ऑर्डर बैटर-** सनराइजर्स हैदराबाद के लिए आईपीएल 2026 में 624 रन बनाने वाले स्टार खिलाड़ी हेनरिक क्लासेन को आकाश ने सीजन का बेस्ट मिडिल ऑर्डर बैटर चुना है। क्लासेन ने पूरे सीजन हैदराबाद के मिडिल ऑर्डर का बोझ संभाला है। चोपड़ा ने कहा, रजत पाटीदार, श्रेयस अय्यर भी रेस में थे लेकिन हेनरिक क्लासेन ही बेस्ट रहेंगे।
- **बेस्ट फिनिशर-** आकाश चोपड़ा ने राजस्थान रॉयल्स के डोनोवन फरेरा को आईपीएल 2026 का बेस्ट फिनिशर चुना। उनका स्ट्राइक रेट करीब 180 का रहा। उन्होंने क्वालिफायर 2 में भी 11 गेंद पर 38 रन बनाकर स्कोर 200 पार पहुंचाया था। यही कारण है कि उनकी शानदार हिटिंग एबिलिटी की वजह से फरेरा को चोपड़ा ने सीजन का बेस्ट फिनिशर बताया।



- **बेस्ट फास्ट बॉलर-** भुवनेश्वर कुमार 28 विकेट लेकर इस सीजन सबका दिल जीतने में कामयाब रहे। वह एक विकेट से पर्पल कैप से पीछे रहे लेकिन उन्होंने बेहतरीन इकॉनमी से गेंदबाजी की। आकाश चोपड़ा ने उन्हें सीजन का बेस्ट पेसर चुना और कहा कि उन्होंने अलग-अलग फेज में अलग-अलग मैदानों पर गेंदबाजी करके विकेट लिए और किफायती रहे।



- **बेस्ट स्पिन बॉलर-** आकाश चोपड़ा ने अपने खास सेलेक्शन की इस आखिरी कैटेगरी में राशिद खान को सीजन का बेस्ट स्पिनर चुना। राशिद ने पूरे आईपीएल 2026 में 17 मैचों में 21 विकेट अपने नाम किए। वह टॉप 10 में एकमात्र स्पिनर रहे जिसने सबसे ज्यादा विकेट इस सीजन रहे। यही कारण है कि भारतीय कमेंटेटर ने भी उन्हें सीजन का बेस्ट स्पिनर चुना।

## 2027 में पहला मैच नहीं खेल पाएंगे टिम डेविड

### फाइनल में अंपायर नितिन मेनन की ओर फेंका था आईस बैग



**नई दिल्ली।** रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाड़ी टिम डेविड पर रविवार (31 मई) को गुजरात टाइटंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के फाइनल में आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल 1 को तोड़ने के लिए मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। उन्हें दो डिमेरिट अंक भी मिले। डेविड पर जुर्माना इसलिए लगाया गया क्योंकि उन्होंने पहली पारी के 10वें ओवर के दौरान अंपायर नितिन मेनन की तरफ गुस्से में आइस बैग फेंका था।

आईपीएल ने कहा, 'रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बल्लेबाज टिम डेविड पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और आईपीएल आचार संहित के लेवल 1 को तोड़ने के लिए दो डिमेरिट अंक भी दिए गए हैं। डेविड को आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.9 को तोड़ने का दोषी पाया गया, जो मैच के दौरान किसी खिलाड़ी, टीम ऑफिशियल, अंपायर, मैच रेफरी या किसी अन्य व्यक्ति पर या उसके पास गलत या खतरनाक तरीके से गेंद या कोई दूसरा सामान जैसे पानी की बोतलफेंकने से जुड़ा है।'

**डेविड दो बार और कर चुके हैं लेवल 1 का उल्लंघन-** डेविड के आईपीएल 2026 में पांच डिमेरिट अंक हो गए। इसके कारण वह इंडियन प्रीमियर लीग 2027 के पहले मैच में नहीं खेल पाएंगे। डेविड ने इस सीजन तीसरी बार लेवल 1 का उल्लंघन किया। उन्होंने पहली बार मैच 20 (एक डिमेरिट अंक) में और दूसरी बार मैच 54 (दो डिमेरिट अंक) में लेवल 1 का उल्लंघन किया था।

## फीफा को भारत में मिला ब्रॉडकास्टर

### जी को मिले फुटबॉल विश्व कप 2026 से 2034 तक कई बड़े टूर्नामेंटों के राइट्स

**नई दिल्ली।** फीफा वर्ल्ड कप 2026 को टूर्नामेंट शुरू होने से ठीक एक हफ्ते पहले भारत में प्रसारणकर्ता मिल गया है। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने सोमवार (1 जून) को कहा कि उसने फीफा के साथ करार किया। इसके तहत वह 39 वैश्विक फुटबॉल टूर्नामेंट का प्रसारण करेगा। इसमें इस साल का वर्ल्ड कप, 2027 महिला वर्ल्ड कप और 2030 वर्ल्ड कप भी शामिल है। फुटबॉल मैच जी के नए लॉन्च हुए यूनाइट8 स्पोर्ट्स चैनेल यूनाइट8 स्पोर्ट्स 1, यूनाइट8 स्पोर्ट्स 1 HD, यूनाइट8 स्पोर्ट्स 2 और यूनाइट8 स्पोर्ट्स 2 ।ष्ठ पर दिखाए जाएंगे और जी5 पर स्ट्रीम किए जाएंगे। माना जा रहा है कि इस डील की कीमत लगभग 35 मिलियन अमेरिकी डॉलर (332 करोड़ रुपये) है।

**फ्रेंच ओपन 2026**

## माटेओ अर्नाल्डी ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

### ● कड़े मुकाबले में टियाफो को दी मात



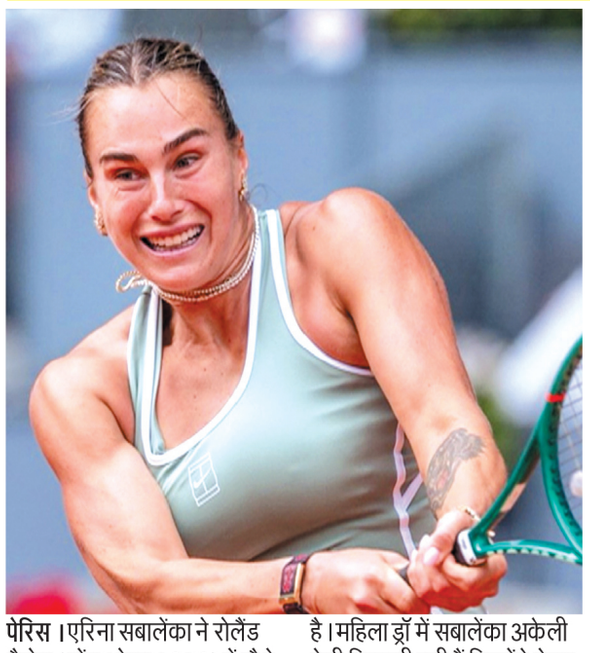
**पेरिस।** माटेओ अर्नाल्डी ने फ्रेंच ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बना ली है। पांच सेट तक चले मुकाबले में अर्नाल्डी ने फ्रांसिस टियाफो को हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल किया। 25 साल वर्षीय खिलाड़ी ने मंगलवार को 19वें नंबर के अमेरिकी खिलाड़ी को 7-6(5), 6-7(5), 3-6, 7-6(3), 6-4 से हराया। यह रोमांचक मुकाबला पांच घंटे 26 मिनट तक चला। इटली के खिलाड़ी ने फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने में कुल 17 घंटे 42 मिनट का समय लगाया है। यह 1991 से अब तक के रिकॉर्ड के अनुसार किसी भी ग्रैंड स्लैम में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने का सबसे लंबा समय है।

यह पिछले रिकॉर्ड से लगभग 1 घंटा 58 मिनट ज्यादा है। दोनों खिलाड़ियों ने पहले सेट में बराबरी की, लेकिन इसके बाद अमेरिकी खिलाड़ी टियाफो ने बेहतरीन खेल खेलते हुए अपनी क्षमता दिखाई। उन्होंने चौथे सेट में 4-1 की बढ़त बना ली और ऐसा लग रहा था कि वह लगातार दूसरे साल फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच जाएंगे। टाईब्रेक में 25 साल के टियाफो ने आक्रामक खेल दिखाया और कई तेज और रोमांचक रैलियों में बढ़त बनाई। हालांकि, अर्नाल्डी ने भी शानदार वापसी की, उन्होंने हवा में कूदकर एक जोरदार बैकहैंड मारा और कुछ ही देर बाद निर्णायक अंक जीत लिया।

इस समय अर्नाल्डी पूरी तरह लय में थे और अपने शानदार ग्राउंडस्ट्रोक्स की मदद से उन्होंने 4-2 की बढ़त बना ली। हालांकि, टियाफो ने हार नहीं मानी और एक दमदार फोरहैंड लगाकर स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया। रोमांचक मुकाबले के दौरान एक ही रैली में टियाफो दो बार गिर भी पड़े। इसके बाद अर्नाल्डी ने फिर से अपना नियंत्रण वापस पाया और आखिर में अपने तीसरे मैच पॉइंट को जीत में बदलकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

## सबालेंका ने बनाई चौथे राउंड में जगह

### रोमांचक मैच में ओसाका को हराया



**पेरिस।** एरिना सबालेंका ने रोलैंड गैरोस (फ्रेंच ओपन 2026) में चौथे राउंड के रोमांचक मैच में नाओमी ओसाका को 7-5, 6-3 से हराकर लगातार 14वें ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। महिला ड्रॉ में सबालेंका अकेली ऐसी खिलाड़ी बची हैं जिन्होंने मेजर फाइनल खेला है। सबालेंका का अब सामना 25वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी डायना श्नाइडर से होगा, जिन्होंने 19वीं वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज को तीन सेट में हराकर अपने करियर के पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। ओसाका ने मैच की शानदार शुरुआत की और पहले दो गेम जीत लिए। दूसरी ओर, सबालेंका शुरू से ही संघर्ष करती नजर आई। उन्होंने पांच ऐसी गलतियां कीं जो बिना दबाव के हुई, जिनमें एक डबल फॉल्ट भी शामिल था। यह डबल फॉल्ट ब्रेक पॉइंट पर हुआ, जिससे ओसाका को शुरुआती बढ़त बनाने में मदद मिली।

शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी सबालेंका ने खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी की। उन्होंने दो शानदार फोरहैंड विनर लगाए और तुरंत ब्रेक की भरपाई कर ली। इसके बाद उन्होंने पूरे मैच में अपनी सर्विस मजबूत रखी। डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के अनुसार, मैच के बाकी हिस्से में उन्हें एक भी ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा और उनके सर्विस गेम शायद ही कभी ड्यूस तक पहुंचे।

**आईसीसी बैठक में हुआ फैसला**

## टेस्ट में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल को मंजूरी

### ● 'ड्रिंक्स ब्रेक' के दौरान मैदान पर जा सकेंगे कोच



**नई दिल्ली।** अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के बोर्ड ने खराब रोशनी के कारण खेल प्रभावित होने की स्थिति में टेस्ट मैचों में परीक्षण के आधार पर गुलाबी गेंद के इस्तेमाल और 'ड्रिंक्स ब्रेक' के दौरान मुख्य कोच को मैदान पर जाकर खिलाड़ियों से चर्चा करने की अनुमति देने जैसे कई महत्वपूर्ण बदलावों को अपनी वार्षिक बैठक में मंजूरी दे दी।

अहमदाबाद में आयोजित दो दिवसीय बैठक में आईसीसी बोर्ड ने भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अनियमितताओं के आरोपों के चलते क्रिकेट कनाडा की सदस्यता तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का भी फैसला किया। इसके साथ ही बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के चुनावों की निगरानी के लिए आईसीसी के वरिष्ठ अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

**क्या भारतीय टीम व्यवस्था स्वीकार करेगी-** मौजूदा नियमों के तहत एक दिन में 90 ओवर फेंके जाते हैं। उदाहरण के तौर पर अगर 75 ओवर लाल गेंद से खेले जाने के बाद रोशनी कम हो जाए और 15 ओवर बाकी हों, तो दोनों टीमों की पूर्व सहमति होने पर उन ओवरों को दुधिया रोशनी में गुलाबी गेंद से पूरा कराया जा सकेगा।

- **गुलाबी गेंद से खेलने की अनिच्छा-** भारतीय खिलाड़ी घरेलू परिस्थितियों में गुलाबी गेंद से टेस्ट खेलने को लेकर पहले भी अनिच्छा जता चुके हैं। गुलाबी गेंद से सीम मूवमेंट अधिक मिलने के कारण मैच का रुख बदल सकता है। आईसीसी बोर्ड ने खराब रोशनी के कारण खेल का नुकसान कम करने के लिए मैच अधिकारियों और मैदानों में प्रकाश व्यवस्था से जुड़ी नई तकनीकों पर शोध को भी मंजूरी दी है। इस अनुसंधान एवं विकास परियोजना को आईसीसी और मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) संयुक्त रूप से वित्तपोषित करेंगे।
- **ड्रिंक्स ब्रेक' के दौरान मैदान पर जा सकते हैं कोच-** आईसीसी ने खेल नियमों में संशोधन करते हुए मुख्य कोच या उनके प्रतिनिधियों को निर्धारित 'ड्रिंक्स ब्रेक' के दौरान मैदान पर जाकर खिलाड़ियों से रणनीतिक चर्चा करने की अनुमति दे दी है। टी20 क्रिकेट में रणनीतिक टाइम आउट के दौरान कोचिंग स्टाफ के मैदान पर आने की व्यवस्था पहले से लागू है और अब इसी तरह की सुविधा टेस्ट क्रिकेट में भी उपलब्ध होगी। इसके अलावा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 15 मिनट के अनिवार्य अंतराल तथा खेल दोबारा शुरू होने पर बल्लेबाजों के तैयार रहने से जुड़े नियमों को भी मंजूरी दी गई है।

### फ्लडलाइट्स की मदद से गुलाबी गेंद का इस्तेमाल

आईसीसी के बयान के अनुसार, 'दोनों टीमों की पूर्व सहमति से टेस्ट मैचों में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल का परीक्षण किया जाएगा, ताकि खराब रोशनी की आशंका होने पर अधिक से अधिक खेल संभव हो सके।' समझा जाता है कि मैच की शुरुआत पारंपरिक लाल गेंद से होगी, लेकिन यदि रोशनी कम हो जाती है तो फ्लडलाइट्स की मदद से गुलाबी गेंद का इस्तेमाल कर उन ओवरों को पूरा कराया जा सकेगा जो कम रोशनी के कारण प्रभावित होने वाली होगी।

## आईपीएल-2026 के बाद भारतीय टीम का शेड्यूल

### ● आयरलैंड, इंग्लैंड, जिम्बाब्वे और न्यूजीलैंड का करेगी दौरा



**नई दिल्ली।** रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात टाइटंस को रविवार (31 मई) को हराकर लगातार दूसरा खिताब जीता और दो महीने से चल रहा इंडियन प्रीमियर लीग 2026 (आईपीएल2026) समाप्त हो गया। सिर्फ एक हफ्ते के अंदर भारतीय टीम मैदान पर दिखाई देगी। भारत को 6 से 20 जून के बीच अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट और तीन वनडे मैच खेलेगा। न्यू चंडीगढ़ में खेला जाने वाला टेस्ट मैच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकल का हिस्सा नहीं होगा।

इसके बाद मेन इन ब्लू यूरोप के लिए उड़ान भरेंगे, जहां वह आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ सात टी20 और तीन वनडे मैच खेलेंगे। श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैच अगस्त में होने हैं, यह सीरीज डब्ल्यूटीसी का हिस्सा होगी। हालांकि, शेड्यूल अभी जारी नहीं किया गया है।

## 44 की उम्र में वापसी को तैयार सेरेना

### ● चार वर्ष तक खेल से रहीं दूर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अमेरिका की दिग्गज सेरेना विलियम्स लगभग चार वर्ष तक खेल से दूर रहने के बाद 44 साल की उम्र में आगामी क्वीन्स क्लब टूर्नामेंट से पेशेवर टेनिस में वापसी करेंगी। 23 बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन सेरेना इस ग्रास कोर्ट टूर्नामेंट में युगल वर्ग के जरिए प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी करेंगी। डब्ल्यूटीए ने सोमवार को घोषणा की कि सेरेना ने टूर्नामेंट में खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड स्वीकार कर लिया है। क्वीन्स क्लब टूर्नामेंट अगले सोमवार (8 जून) से शुरू होगा। हालांकि सेरेना के युगल जोड़ीदार के नाम की घोषणा अभी नहीं की गई है। सेरेना ने पिछली बार 2022 यूएस ओपन में प्रतिस्पर्धी मुकाबला खेला था। उस समय उन्होंने टेनिस को अलविदा कहने की बात तो की थी, लेकिन 'संन्यास' शब्द का इस्तेमाल करने से बचते हुए कहा था कि वह टेनिस से आगे बढ़ रही हैं। सेरेना 23 ग्रैंड स्लैम एकल खिताबों के अलावा 14 ग्रैंड स्लैम युगल खिताब भी जीत चुकी हैं।



# दक्षिणी लेबनान में इजराइल के ड्रोन हमलों में आठ की मौत

» बेरूत, भाषा।

दक्षिणी लेबनान में मंगलवार को इजराइल के ड्रोन हमलों में आठ लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में एक व्यक्ति और उसका पुत्र व पुत्री शामिल हैं। ये हमले ऐसे समय में हुए हैं, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक दिन पहले कहा था कि इजराइल और हिजबुल्ला तनाव कम करने पर सहमत हो गए हैं। इजराइल ने सोमवार को बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर हमला करने की धमकी दी, जिससे लेबनान की राजधानी में दहशत फैल गई और हजारों लोग सुरक्षित क्षेत्रों की ओर जाने लगे। जवाब में हिजबुल्ला ने उत्तरी इजराइल पर कई रॉकेट दागे। इसके बाद ट्रंप ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बातचीत की और मध्यस्थों के जरिए लेबनानी उग्रवादी समूह हिजबुल्ला के पदाधिकारियों से भी संपर्क साधा। उन्होंने घोषणा की कि बेरूत में कोई सेना नहीं भेजी जाएगी।

लेबनान की सरकारी नेशनल न्यूज एजेंसी ने मंगलवार को प्रसारित खबर में कहा कि इजराइली ड्रोन ने मरजायौन कस्बे को नबातीएह शहर से जोड़ने वाली सड़क पर खड़ी एक कार पर निशाना साधा, जिससे ईसाई बहुल शहर कलाया के रहने वाले एक डेंटिस्ट जेम्स कैरम और उनके पुत्र व पुत्री की मौत हो गई। लेबनानी सेना ने कहा कि नबातीएह के बाहर हुए एक अन्य ड्रोन हमले में दो सैनिक मामूली रूप से घायल हो गए। नेशनल न्यूज एजेंसी की खबर के मुताबिक, जिबचित गांव में हुए ड्रोन हमले में एक पौधशाला में काम करने वाले दो सीरियाई नागरिक मारे गए, जबकि पास के ही तोल गांव पर हुए एक अन्य हमले में दो लोगों की जान चली गई। तीसरा हमला हारूफ गांव के पास एक कार पर हुआ, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। खबर के अनुसार, सोमवार को इजराइल की ओर से मारवानिएह गांव में किए गए हवाई हमले में छह लोग मारे गए। हिजबुल्ला ने मंगलवार को कहा कि उसके लड़ाकों ने इजराइल सीमा से लगभग सात किलोमीटर दूर हदाथा गांव में घुसने की कोशिश कर रहे इजराइली सैनिकों पर टैंक-रोधी मिसाइल दागीं। इजराइली सेना ने एक बयान में कहा कि उत्तरी इजराइल के कई इलाकों में हवाई हमलों के प्रति आगाह करने वाले सायरन बजे। बयान में कहा गया कि दक्षिणी लेबनान में जिस क्षेत्र में इजराइली सैनिक अभियान चला रहे हैं, वहां एक ठिकाने पर हवाई हमले की खबर है, हालांकि उसमें किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है। संघर्ष-विराम समझौते पर सहमति बनने के बावजूद इजराइल और हिजबुल्ला लगातार एक-दूसरे पर हमले कर रहे हैं।



## बेरूत पर बमबारी करने की इजराइल की धमकी को लेकर ईरान ने मध्यस्थों से बातचीत रोकी



**दुबई, भाषा।** ईरान समर्थित लेबनानी मिलिशिया हिजबुल्ला के साथ जारी लड़ाई के दौरान बेरूत पर बमबारी करने की इजराइल की धमकी के बाद, तेहरान ने मध्यस्थों से बातचीत रोक दी। ईरान की दो अर्धसरकारी समाचार एजेंसियों ने यह दावा किया है। ईरान के अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड की करीबी माने जाने वाली समाचार एजेंसियों, फार्स और तसनीम की रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब ईरान इस बात पर जोर दे रहा है कि लेबनान में हो रही लड़ाई अमेरिका के साथ युद्ध को लेकर जारी व्यापक युद्धविराम वार्ता का हिस्सा है। इजराइल और अमेरिका का कहना है कि लेबनान में हो रही लड़ाई ईरान युद्ध वार्ता से अलग है। मध्यस्थता में शामिल एक क्षेत्रीय अधिकारी ने कहा कि ईरान ने मंगलवार को लेबनान में युद्धविराम लागू करने की बात कहने के बाद से कोई संपर्क नहीं किया है।

# अमेरिकी सांसद ने हिंदुओं के प्रति घृणा, मंदिरों पर हमलों की निंदा करने वाले प्रस्ताव का समर्थन किया

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के एक प्रमुख सांसद ने प्रतिनिधि सभा के उस प्रस्ताव का समर्थन किया है जिसमें अमेरिकी अर्थव्यवस्था में हिंदू-अमेरिकी समुदाय के योगदान की सराहना की गई है और हिंदुओं के प्रति घृणा, हिंदू-विरोधी कट्टरता तथा समुदाय के पूजा स्थलों पर हमलों की निंदा की गई है। भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने सोमवार को इस प्रस्ताव का समर्थन किया। यह प्रस्ताव मिशिगन से डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद श्री थानेदार ने पेश किया था। पिछले साल 24 जनवरी को लाए गए इस प्रस्ताव को अब तक राजा कृष्णमूर्ति और सुहास सुब्रमण्यम सहित 32 सांसद सह-प्रायोजित कर चुके हैं। कैलिफोर्निया का प्रतिनिधित्व करने वाले डेमोक्रेट सांसद खन्ना ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इस प्रस्ताव के समर्थन की घोषणा की।



भारतीय मूल के खन्ना ने कहा, मुझे श्री थानेदार के प्रतिनिधि सभा में पेश प्रस्ताव संख्या 69 को सह-प्रायोजित करने पर गर्व है। यह प्रस्ताव अमेरिका में हिंदू-अमेरिकी समुदाय के निरंतर योगदान और उसकी जीवंत विविधता की ऐसे समय में सराहना करता है जब हम अपने देश के बहुजातीय लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं। प्रस्ताव में कहा गया है कि हिंदू धर्म दुनिया के सबसे बड़े और सबसे प्राचीन धर्मों में से एक है तथा 100 से अधिक देशों में 1.2 अरब से अधिक हिंदू हैं। इसमें कहा गया है कि हिंदू धर्म में विविध परंपराएं और आस्था प्रणालियां समाहित हैं जिनमें स्वीकार्यता, परस्पर सम्मान और शांति जैसे सार्वभौमिक मूल्य निहित हैं। प्रस्ताव के अनुसार, अमेरिका ने 1900 के दशक से दुनिया भर से आए 40 लाख से अधिक हिंदुओं का स्वागत किया है जो अलग-अलग नस्लीय, भाषाई और जातीय पृष्ठभूमि का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रस्ताव में रेखांकित किया गया है कि हिंदू-अमेरिकियों ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था और विभिन्न उद्योगों में अहम योगदान दिया है तथा हिंदू परंपराओं एवं प्रथाओं ने दर्शन, आयुर्वेद, कला, संगीत, नृत्य, फैशन, ध्यान, योग और सामुदायिक सेवा के माध्यम से अमेरिकी समाज को समृद्ध किया है। प्रस्ताव में अमेरिका में बढ़ती हिंदुओं के प्रति घृणा, हिंदू-विरोधी कट्टरता, नफरत और असहिष्णुता की निंदा करते हुए कहा गया है कि देश में सकारात्मक योगदान के बावजूद हिंदू-अमेरिकियों को अपनी विरासत और प्रतीकों को लेकर रूढ़ धारणाओं तथा दुष्प्रचार का सामना करना पड़ता है।

## ईरान युद्ध के शुरू होने के बाद पहली बार संसद के सामने गवाही देंगे रूबियो



**वाशिंगटन, भाषा।** अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो को मंगलवार को ट्रंप प्रशासन के वैश्विक स्तर पर कमजोर या ठप पड़े राजनयिक प्रयासों के बारे में संसद में कई सवालों का सामना करना पड़ेगा। वह ईरान युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार कैपिटल हिल (अमेरिकी संसद परिसर) में एक के बाद एक सुनवाई के लिए पेश होंगे। रिपब्लिकन पार्टी के पूर्व सीनेटर विदेश विभाग के वार्षिक बजट प्रस्ताव को प्रस्तुत करने के लिए हाउस और सीनेट की समितियों के समक्ष उपस्थित होंगे। लेकिन ध्यान जल्द ही वाशिंगटन और तेहरान के बीच पहले से ही अस्थिर युद्धविराम पर केंद्रित होने की संभावना है, जिसकी हाल के दिनों में दोनों पक्षों द्वारा एक-दूसरे पर किए गए हमलों से और कड़ी परीक्षा हुई है। रूबियो समेत मंत्रिमंडल के सदस्यों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पश्चिम एशिया में लंबे समय तक चलने वाले युद्धों में शामिल न होने के वर्षों के वादों के बावजूद संघर्ष शुरू करने के फैसले का बचाव किया है। ट्रंप के संघर्ष संबंधी बदलते लक्ष्यों ने इस काम को और भी मुश्किल बना दिया है। रूबियो 28 फरवरी को ईरान युद्ध शुरू होने के बाद हालांकि पहली बार कांग्रेस के सामने गवाही दे रहे हैं, लेकिन उन्होंने पहले अमेरिकी और इजराइली हमलों के कुछ दिनों बाद सांसदों के लिए एक गोपनीय ब्रीफिंग में भाग लिया था। उन्हें संसद की मंजूरी न मिलने पर डेमोक्रेट्स के गुस्से का सामना करना पड़ा, लेकिन अमेरिका के सबसे पुराने दुश्मनों में से एक के खिलाफ कार्वाई करने के लिए अधिकांश रिपब्लिकन मजबूती से उनके साथ खड़े दिखे। युद्ध शुरू होने के बाद से दो महीनों में, रिपब्लिकन सांसदों के एक छोटे लेकिन बढ़ते हुए गुट ने डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर इस संघर्ष की बढ़ती लागत और समग्र आर्थिक परिणामों पर सवाल उठाना शुरू कर दिया है, क्योंकि शरद ऋतु में मध्यावधि चुनाव होने वाले हैं।

## हंतावायरस के संपर्क में आए क्रूज जहाज के पांच अमेरिकी यात्री नेब्रास्का पृथकवास केंद्र से रवाना

**ओमाहा, भाषा।** हंतावायरस के संपर्क में आने के बाद नेब्रास्का में राष्ट्रीय पृथकवास केंद्र में रह रहे क्रूज के 18 अमेरिकी यात्रियों में से पांच यात्री अपने घर लौट रहे हैं। अमेरिका के स्वास्थ्य अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, यूनिवर्सिटी ऑफ नेब्रास्का मेडिकल सेंटर के पृथकवास केंद्र में रहने के दौरान बीमारी के कोई लक्षण नहीं दिखने और केंद्र से बाहर निगरानी के तय मानकों को पूरा करने के बाद, अब ये पांच लोग अपने घरों पर ही निगरानी की अवधि पूरी करेंगे। उन्होंने बताया कि ये लोग दक्षिण अटलांटिक महासागर में यात्रा कर रहे एक क्रूज जहाज पर खतरनाक हंतावायरस फैलने के बाद नेब्रास्का लाए गए 13 अन्य अमेरिकियों के साथ यहां पहुंचे थे और वे इसके करीब तीन सप्ताह बाद ओमाहा से रवाना हो रहे हैं। हंतावायरस लोगों



द्वारा चूहों के मल-मूत्र के दूषित अवशेषों में सांस लेने से फैलता है, लेकिन वर्तमान प्रकोप का कारण बना हंतावायरस दुर्लभ मामलों में इंसानों से इंसानों में भी फैल सकता है। इसे एंडीज वायरस कहा जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, इस जहाज से हंतावायरस के कुल 13 पुष्ट या संभावित मामले जुड़े हैं, जिनमें तीन लोगों की मौत भी शामिल हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि अमेरिका में एंडीज वायरस का कोई मामला सामने नहीं आया है और आम लोगों के लिए खतरा कम है।

## खैबर पख्तूनख्वा में मकान की छत गिरने से छह बच्चों की मौत

**पेशावर, भाषा।** पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक कच्चे मकान की छत गिरने से कम से कम छह बच्चों की मौत हो गई और एक बच्ची घायल हो गई। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बचाव अधिकारियों के अनुसार, सोमवार को शांगला जिले के रहीमाबाद इलाके में एक मकान की छत अचानक ढह गई। उन्होंने बताया कि मलबे में सात बच्चे दब गए और घटना की सूचना मिलते ही बचाव दल मौके पर पहुंचा और सभी बच्चों को मलबे से बाहर निकाला। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में छह बच्चों की मौत हो गई, जबकि एक घायल बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

## न्यूज ब्रीफ

### पाकिस्तान में मई में आतंकवादी हमलों में 27 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज : रिपोर्ट

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान में पिछले महीने आतंकवाद से प्रेरित हिंसा में अप्रैल की तुलना में 27 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे देश में आतंकवाद से जुड़े खतरों की व्यापकता का पता चलता है। यह जानकारी एक थिंक टैंक की रिपोर्ट में दी गई है। पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज (पीआईसीएसएस) द्वारा सोमवार को जारी मासिक सुरक्षा आकलन रिपोर्ट के अनुसार, सापेक्ष गिरावट की संक्षिप्त अवधि के बाद मई में उग्रवादी और आतंकी समूहों की सक्रियता फिर से बढ़ गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, मई में पाकिस्तान में 128 आतंकवादी हमले दर्ज किए गए, जबकि अप्रैल में यह संख्या 101 थी, जो 27 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।

इसके अनुसार, मई में 71 नागरिक, 68 सुरक्षाकर्मी और शांति समितियों के छह सदस्य मारे गए, जबकि 147 नागरिक, 35 सुरक्षाकर्मी और शांति समितियों के तीन सदस्य घायल हुए। अप्रैल की तुलना में नागरिकों की मौतों की संख्या 37 से बढ़कर 71 हो गई, जबकि सुरक्षाकर्मियों की मौतों की संख्या 28 से बढ़कर 68 हो गई। रिपोर्ट में आत्मघाती हमलों में भी वृद्धि दर्ज की गई है। मई में देश में छह आत्मघाती हमले हुए, जिनमें चार वाहन-आधारित आत्मघाती विस्फोट शामिल थे। इन हमलों में अकेले 34 सुरक्षाकर्मी और नौ नागरिक मारे गए। इसके विपरीत, मार्च और अप्रैल में केवल एक-एक आत्मघाती हमला दर्ज किया गया था, जो आत्मघाती हमलों के उपयोग में बढ़ोतरी का संकेत देता है। रिपोर्ट के अनुसार, मई में सबसे अधिक प्रभावित प्रांत बलूचिस्तान रहा, जहां 71 आतंकवादी हमले दर्ज किए गए, जबकि अप्रैल में यह संख्या 34 थी।

### दक्षिण अफ्रीका : जरूरतमंद बच्चों के स्कूल को गुरुद्वारे ने वाहन दान किया

» जोहानिसबर्ग, भाषा।

दक्षिण अफ्रीका और अफ्रीकी महाद्वीप के नेताओं ने गुरुद्वारा साहिब ऑफ जोहानिसबर्ग (जीएसजे) के सदस्यों द्वारा स्थानीय गरीब बच्चों के लिए मिनी बस दान किए जाने के बाद उनकी सराहना की है। जीएसजे न्यासी हरबिंदर सिंह सेठी ने रविवार को गुरुद्वारे में आयोजित दान-समारोह के दौरान कहा, एक वाहन भले ही छोटा दान प्रतीत हो, लेकिन बच्चों के लिए यह अवसरों और स्वतंत्रता तक पहुंच का प्रतीक है। सेठी ने कहा, जीएसजी प्रबंधन और संगत ने यह मिनी बस लुक फॉरवर्ड क्रिएटिविटी सेंटर को उपहार के तौर पर देने के लिए खरीदी है।

यह सेंटर पिछले लगभग दो दशकों से इस स्कूल का संचालन कर रहा है। यहां आने वाले कई बच्चों को सड़क पर जीवन बिताने की तुलना में बेहतर जीवन मिला है। पिछले 15 वर्षों से सेंटर की गतिविधियों में सहयोग करना हमारे लिए सौभाग्य की बात रही है। दक्षिण अफ्रीका के सेक्रेटरी जनरल ऑफ द कांग्रेस ऑफ ट्रेडीशनल लीडर्स ज़ोलानी मकिवा ने कहा कि सेठी एक ऐसी टीम का नेतृत्व कर रहे हैं जो मानवता के सच्चे मूल्यों का प्रतिनिधित्व करती है और हमेशा लोगों के कल्याण संबंधी कार्यों में योगदान देती है।

### पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में जवान की गोली मारकर हत्या

» पेशावर, भाषा।

पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सोमवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने ईद की छुट्टी पर आए अर्धसैनिक बल के एक जवान की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह हमला डेरा इस्माइल खान जिले के कुलाची मोड़ इलाके में हुआ और पिछले पांच दिनों में इस तरह की यह तीसरी घटना है। पुलिस के अनुसार, पीड़ित ईद की छुट्टियों में घर आया था, तभी हथियारबंद हमलावरों ने उसे निशाना बनाया और वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए।

अधिकारियों ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है और हमलावरों को पकड़ने के लिए तलाश अभियान चलाया जा रहा है। डेरा इस्माइल खान, खास तौर से कुलाची क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षा बलों पर लक्षित हमले हुए हैं। सुरक्षा बल और कानून प्रवर्तन एजेंसियां क्षेत्र में आतंकवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने और शांति बनाए रखने के लिए खुफिया-आधारित अभियान जारी रखे हुए हैं।

# सीमा मुद्दे पर बालेंद्र की टिप्पणी के विरोध में प्रदर्शनों के बाद नेपाल संसद की कार्यवाही स्थगित

» काठमांडू, भाषा।

नेपाल की संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही मंगलवार को स्थगित कर दी गई, क्योंकि सांसदों ने भारत के साथ सीमा विवाद को लेकर प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की टिप्पणियों के विरोध में लगातार हंगामा जारी रखा। संसद के निचले सदन- प्रतिनिधि सभा की कार्यवाही आठ जून तक के लिए स्थगित कर दी गई, जबकि नेशनल असेंबली को बुधवार तक स्थगित किया गया। इससे पहले, सोमवार को भी संसद सत्र स्थगित किया गया था। विपक्षी सांसद प्रधानमंत्री बालेंद्र की रविवार को संसद में की गई टिप्पणी का विरोध कर रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा था कि न केवल भारत, बल्कि नेपाल ने भी कई स्थानों पर भारत के क्षेत्रों पर अतिक्रमण किया है, जिससे विवाद खड़ा हो गया। बालेंद्र ने अपने संबोधन में, विस्तार से बताए बिना, यह संकेत दिया कि भारत और नेपाल ने इतिहासकारों, सर्वेक्षकों और विशेषज्ञों की मदद से समाधान निकालने पर सहमति जताई है।

उन्होंने यह भी कहा कि काठमांडू ने इस मामले को चीन और ब्रिटेन के समक्ष भी उठाया है। भारत



ने हिमालई देश के साथ सीमा विवाद के समाधान में तीसरे पक्ष की किसी भी प्रकार की भूमिका को मंगलवार को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया। प्रतिनिधि सभा में मंगलवार को बैठक शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की टिप्पणी के खिलाफ विरोध जताया। अध्यक्ष डोल प्रसाद आर्यल ने सदस्यों से शांत रहने और सदन की कार्यवाही में सहयोग करने का आग्रह किया, लेकिन विपक्षी सांसदों ने उनकी अपील पर ध्यान नहीं दिया। विपक्षी सदस्य प्रधानमंत्री बालेंद्र के बयान को वापस लेने और उसे संसद की कार्यवाही के अभिलेख से हटाने की मांग कर रहे थे। संसद सचिवालय के सूत्रों के अनुसार इसके बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई और अगली बैठक आठ जून को पूर्वाह्न 11 बजे के लिए निर्धारित की गई। इसी तरह, विपक्षी सांसदों ने नेशनल असेंबली में भी विरोध प्रदर्शन किया, जिसके बाद अध्यक्ष नारायण प्रसाद दाहाल ने बैठक स्थगित कर दी और अगली बैठक तीन जून को दोपहर सवा बारह बजे बुलाने की घोषणा की। नेपाल और भारत के बीच लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी को लेकर लंबे समय से सीमा विवाद है। दोनों देश इन क्षेत्रों पर अपना दावा करते हैं। भारत का कहना है कि ये क्षेत्र उत्तराखंड का हिस्सा हैं और इस मुद्दे का समाधान द्विपक्षीय वार्ता के माध्यम से किया जाना चाहिए। मंगलवार को भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत-नेपाल सीमा के करीब 98 प्रतिशत हिस्से का निर्धारण किया जा चुका है, लेकिन कुछ हिस्से अब भी अनसुलझे हैं। गंडक नदी के प्रवाह मार्ग में बदलाव के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। उन्होंने कहा, इसके अलावा, सीमा के चिह्नित क्षेत्रों में नो-मैन्स लैंड पर अतिक्रमण और सीमा पार कब्जे के कुछ मामले सामने आए हैं। इनका दोनों देशों द्वारा संयुक्त रूप से मानचित्रण किया जा रहा है।

## यूक्रेन पर रूस के हमले में 18 लोगों की मौत, 100 से अधिक व्यक्ति घायल



**कीव, भाषा।** रूस ने बीती रात यूक्रेन के कीव और दूसरे शहरों पर सैकड़ों ड्रोन व दर्जनों मिसाइलों से हमला किया, जिसमें कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई और 131 व्यक्ति घायल हो गए। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हाल के हफ्तों में मॉस्को के हवाई हमलों का अभियान तेज करने का आदेश दिया है। माना जा रहा है कि इसका उद्देश्य यूक्रेन में अमेरिकी निर्मित वायु रक्षा प्रणालियों की कमी का फायदा उठाना और रूस में बढ़ती निराशा के बीच लोगों को यह विश्वास दिलाना है कि चार साल से जारी युद्ध में देश बढ़त बना रहा है। अधिकारियों के अनुसार, मध्य यूक्रेन के शहर ड्नीप्रो में अपार्टमेंट इमारतों के मलबे में खोजबीन कर रही आपातकालीन बचाव टीमों ने तीन वर्षीय बच्चे, एक महिला और उसके आठ वर्षीय बेटे के शव बरामद किए। हमले सुबह होने के बाद तक जारी रहे और विभिन्न शहरों में धमाकों की गूंज सुनाई देती रही। अधिकारियों ने बताया कि ड्नीप्रो में 12 लोगों और कीव में छह लोगों की मौत हुई है। रूस की ओर से बड़े हवाई हमले की चेतावनी दिए जाने और विदेशी राजनयिकों को यूक्रेन की राजधानी कीव छोड़ने की सलाह दिए जाने के बाद से शहर के निवासी कई दिन से चिंतित थे। हालांकि किसी भी राजनयिक ने इस चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया। हमले पर प्रतिक्रिया देते हुए यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा, रूस के इस व्यापक हमले से स्पष्ट संदेश मिला है कि यदि यूक्रेन को बैलिस्टिक और अन्य मिसाइल हमलों से सुरक्षा नहीं दी गई, तो ये हमले जारी रहेंगे। उन्होंने अमेरिका और यूरोपीय देशों से अधिक समर्थन की अपील की। रूस की रणनीति यूक्रेन में अमेरिका निर्मित पैट्रियट मिसाइलों की कमी का फायदा उठाने की है। ईरान युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय भंडार भी कम हो गए हैं। इसकी वजह से रूसी बैलिस्टिक मिसाइल हमलों से लोगों का बचाव मुश्किल हो गया है, हालांकि यूक्रेनी वायु रक्षा प्रणाली अधिकांश ड्रोन हमलों को विफल कर रही है। यूक्रेनी वायु सेना के अनुसार रूस ने पूरे यूक्रेन में 73 मिसाइलें और 656 ड्रोन दागे। मुख्य लक्ष्य कीव, मध्य यूक्रेन का ड्नीप्रो शहर और पूर्वी शहर पोल्टावा, खार्किव तथा जापोरिज्जिया थे। यूक्रेनी वायु रक्षा बलों ने 40 मिसाइलों और 602 ड्रोन को नष्ट या निष्क्रिय कर दिया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सेना ने कीव, जापोरिज्जिया, खार्किव, ड्नीप्रोपेत्रोव्स्क, पोल्टावा, खमेल्नित्स्की और सूमी क्षेत्रों में सैन्य-औद्योगिक प्रतिष्ठानों पर लंबी दूरी के सटीक हथियारों से व्यापक हमला किया। पुतिन ने संकेत दिया कि रूस हमले नहीं रोकेगा। उन्होंने मंगलवार को कहा कि 22 मई को रूस के नियंत्रण वाले लुहान्स्क क्षेत्र के स्टारोबिल्स्क में एक कॉलेज छात्रावास पर यूक्रेन के ड्रोन हमले ने युद्ध को पूरी तरह नया आयाम दे दिया है।

## यूरोपीय संघ ने प्रवासन नीति में व्यापक बदलाव के लिए समझौता किया

**ब्रसेल्स, भाषा।** यूरोपीय संघ (ईयू) ने अपनी प्रवासन नीति में व्यापक बदलाव की दिशा में कदम बढ़ाया है। इसका उद्देश्य निर्वासन की प्रक्रिया को तेज करना और विदेश में हिरासत केंद्र बनाने के लिए विवादास्पद समझौते करने की योजना है। दूसरी ओर अधिकार समूहों ने इसकी तुलना अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की आक्रामक आव्रजन नीतियों से की है। सत्ताइस देशों के समूह की अध्यक्षता कर रहे साइप्रस के उप-प्रवासन मंत्री निकोलस इओनाइड्स ने कहा, नए विनियमन से उन व्यक्तियों को वापस भेजने की प्रक्रिया तेज होगी, जिन्हें यूरोपीय संघ में रहने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। यह समझौता सोमवार शाम यूरोपीय संघ की तीन प्रमुख संस्थाओं यूरोपीय आयोग, यूरोपीय परिषद और यूरोपीय संसद के बीच तथाकथित त्रिपक्षीय वार्ता के दौरान बनी। आलोचकों ने इस विनियमन की तुलना ट्रंप प्रशासन की आव्रजन रणनीति से की। ट्रंप प्रशासन ने हजारों लोगों को निर्वासित करने के लिए दुनिया भर के कई देशों के साथ गुप्त समझौते किए हैं। ब्रिटेन ने भी प्रवासियों को खांडा भेजने की योजना बनाई थी, लेकिन यह योजना कानूनी प्रक्रियाओं में उलझ गई और नई सरकार बनते ही इस योजना को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। यह अस्थाई प्रस्ताव अब यूरोपीय संघ के सांसदों और सदस्य देशों के प्रमुखों के पास भेजा जाएगा, जहां इसके जल्द मंजूर होने की संभावना है। यूरोपीय संघ के सदस्य देश जल्द ही संघ के बाहर के देशों के साथ द्विपक्षीय समझौते कर सकेंगे, जिनके तहत निर्वासन केंद्र स्थापित किए जाएंगे। कम से कम पांच यूरोपीय देश जर्मनी, ऑस्ट्रिया, नीदरलैंड्स, डेनमार्ग और यूनान पहले से ही तीसरी दुनिया के देशों मुख्य रूप से अफ्रीकी देशों के साथ निर्वासन केंद्र स्थापित करने पर बातचीत कर रहे हैं।

## भारत के महावाणिज्य दूत व चीनी अधिकारी ने संस्कृति, पर्यटन संबंधों को बढ़ावा देने पर चर्चा की



**बीजिंग, भाषा।** शंघाई में भारत के महावाणिज्यदूत प्रतीक माथुर ने पूर्वी चीन में लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने के प्रयासों के तहत सांस्कृतिक आदान-प्रदान और पर्यटन को बढ़ावा देने के संबंध में एक चीनी सांस्कृतिक अधिकारी के साथ चर्चा की। शंघाई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा मंगलवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, माथुर ने पूर्वी चीन में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा को और मजबूत करने तथा दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और प्रवासी संबंधों को गहरा बनाने के प्रयासों के तहत फ्रेंड्स ऑफ इंडिया के विभिन्न वर्गों के लोगों के साथ बातचीत की। सोमवार को हुई मुलाकातों के दौरान, माथुर ने गुओयुन अमूर्त सांस्कृतिक विरासत केंद्र के मुख्य कार्यकारी अधिकारी झांग जियाक्शिंग से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ाने, आपसी समझ को बढ़ावा देने और 'अतुल्य भारत' अभियान के तहत भारत में पर्यटकों के प्रवाह को प्रोत्साहित करने के तरीकों पर चर्चा की। विज्ञप्ति में कहा गया है कि उन्होंने लोगों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए एक सेतु के रूप में पारंपरिक सांस्कृतिक विरासत का लाभ उठाने के महत्व पर भी जोर दिया। माथुर ने वार्षिक अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) के उपलक्ष में आयोजित गतिविधियों के तहत सूज़ौ-कुनशान क्षेत्र में डॉ. रेड्डीज़ लैबोरेटरीज में एक योग शिविर का भी उद्घाटन किया। योग दिवस 21 जून को विश्व स्तर पर मनाया जाएगा। महावाणिज्य दूत ने शंघाई और हांगझोऊ में आगामी मैजिक फ्लूट संगीत कार्यक्रम श्रृंखला की भी घोषणा की। इन कार्यक्रमों में भारतीय बांसुरी वादक रजत प्रसन्ना और चीन की प्रसिद्ध तबला वादक मैंडी चेन शामिल होंगे।

### न्यूयॉर्क भारतीय फिल्म महोत्सव 2026 में मणिपुरी फिल्म का जलवा

# मणिपुरी फिल्म बूंग ने जीते तीन पुरस्कार

» न्यूयॉर्क, भाषा।

बाफ्टा पुरस्कार विजेता मणिपुरी फिल्म बूंग ने हाल ही में संपन्न न्यूयॉर्क भारतीय फिल्म महोत्सव में तीन पुरस्कार अपने नाम किए हैं, जिनमें मुख्य भूमिका निभाने वाले युवा कलाकार को दिया गया सर्वश्रेष्ठ बाल अभिनेता का सम्मान भी शामिल है। चार दिवसीय न्यूयॉर्क भारतीय फिल्म महोत्सव (एनवाईआईएफएफ)-2026 रविवार को एक पुरस्कार समारोह के साथ संपन्न हुआ, जिसमें भारतीय सिनेमा की उत्कृष्ट कृतियों को दस प्रतिस्पर्धी श्रेणियों में सम्मानित किया गया। यह महोत्सव 28 से 31 मई तक आयोजित हुआ, जिसमें 15 भाषाओं की विविध फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। यह इस बात को रेखांकित करता है कि समकालीन भारतीय सिनेमा में क्षेत्रीय कहानियों का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है।

यह आयोजन उत्तरी अमेरिका के सबसे लंबे समय से चल रहे भारतीय स्वतंत्र सिनेमा महोत्सव में फिल्म निर्माताओं और कलाकारों को एक साथ लाया। इस वर्ष के फिल्म महोत्सव का आयोजन इंडो-अमेरिकन आर्ट्स काउंसिल (आईएएसी) की ओर से किया गया



था, जिसमें 19 फीचर फिल्में, चार वृत्तचित्र एवं 27 लघु फिल्में शामिल थीं। इनमें कई विश्व प्रीमियर भी थी, साथ ही एक विशेष एलजीबीटीक्यू शॉर्ट्स कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। फिल्म महोत्सव का शीर्ष सम्मान फिल्म बख्शो बोंदी को मिला, जिसे सर्वश्रेष्ठ फिल्म चुना गया। वहीं, इस वर्ष फरवरी में प्रतिष्ठित बाफ्टा पुरस्कार की सर्वश्रेष्ठ बाल एवं पारिवारिक फिल्म श्रेणी में इतिहास रचने वाली मणिपुरी फिल्म बूंग ने शाम का सबसे बड़ा विजेता बनकर तीन पुरस्कार अपने नाम किए। इसे फिल्म क्रिटिक्स सर्कल ऑफ इंडिया द्वारा चयनित सर्वश्रेष्ठ डेब्यू फिल्म, लक्ष्मीप्रिया देवी के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक और गुगुन किपगेन के लिए सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार का पुरस्कार मिला। निखिल यादव को फिल्म विमुक्त में उनके अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता चुना गया, जबकि मीनाक्षी जयन ने विक्टोरिया के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीता। सर्वश्रेष्ठ पटकथा का सम्मान निखिल महाजन और प्राजक्त देशमुख को उनकी फिल्म तिघे के लिए मिला। गैर-कथेतर श्रेणियों में डेजा वू को सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र का पुरस्कार मिला, वाई ने सर्वश्रेष्ठ लघु वृत्तचित्र का खिताब जीता, जबकि जोज टर्न को बेस्ट नैरेटिव शॉर्ट का पुरस्कार मिला।यह महोत्सव एक भव्य पुरस्कार समारोह के साथ संपन्न हुआ, जिसमें भारतीय-अमेरिकी प्रवासी समुदाय के प्रमुख सदस्य, फिल्म निर्माता और फिल्म प्रेमी शामिल हुए। आईएएसी के अध्यक्ष डॉ. निर्मल मद्दू ने महोत्सव शुरू होने से पहले कहा था कि फिल्म महोत्सव एक मजबूत सांस्कृतिक सेतु के रूप में कार्य करता है। उन्होंने कहा, 2026 की लाइनअप और नामांकन भारतीय सिनेमा की समृद्धि, विविधता और कलात्मक उत्कृष्टता को अंतररा